संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
15 अप्रैल, 2023
वर्ष:21 अंक: 291
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर भाजपा चंडीगढ़ ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए

पेज-3

बैसाखी के पवित्र दिवस पर गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब, पटियाला में नतमस्तक हुए मुख्यमंत्री

राज्य की शांति, तरक्की और खुशहाली के लिए की प्रार्थना

पटियाला (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को बैसाखी के पवित्र त्योहार के अवसर पर गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब में माथा टेका और राज्य की शांति, तरक्की और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने पंजाब और पंजाबियत की भावना और अनेकता में एकता का प्रतीक बैसाखी के पवित्र दिवस के अवसर पर विश्व भर के पंजाबियों को बधाई दी। उन्होंने लोगों को इस दिन की समृद्ध गौरवमयी और सांस्कृतिक विरासत संबंधी याद दिलाते हुए कहा कि इस पवित्र दिवस पर 1699 में दसवें पातशाह श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी ने पवित्र नगरी श्री आनन्दपुर साहिब में अलग-अलग क्षेत्रों और धर्मों से सम्बन्धित पाँच प्यारों को अमृत छकाकर 'खालसा पंथ' की सृजना की थी। भगवंत मान ने कहा कि दसमेश पिता ने जात-पात रहित समाज की सृजना की और मानवता के लिए प्यार एवं हमदर्दी, सर्व-साझेदारी और आपसी-भाईचारे का प्रचार किया।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह त्योहार फसल की कटाई की शुरुआत और रबी की फ़सलों के पकने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह अवसर राज्य के किसानों की मेहनत का फल एकत्रित करने का समय है। भगवंत मान ने अफ़सोस ज़ाहिर किया कि इस साल स्थिति अलग है क्योंकि लगातार बारिश के कारण किसानों की फ़सल का भारी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने किसानों को इस स्थिति में से निकालने के लिए राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि राज्य सरकार संकट की इस घड़ी में किसानों और कृषि मज़दूरों के साथ पूरी तरह से खड़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस बड़े नुकसान के लिए किसानों को मुआवज़ा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मोटी-मोटी बातें

14 फसलों की खरीद एमएसपी पर करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है जो किसानों के हित में 14 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कर रहा है। साथ ही शेष फसलों की खरीद भावान्तर भरपाई योजना से की जा रही है। उन्होंने हाल ही में हुई बेमौसमी बरसात व ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का मुआवजा किसानों को मई माह तक दिए जाने का विश्वास दिलाया। मुख्यमंत्री शुक्रवार को होडल शहर में माता सती सरोवर तट पर क्षेत्र के लोगों से जन संवाद कार्यक्रम में रूबरू हो रहे थे। जन संवाद कार्यक्रम में पहुंचने पर विधायक होडल जगदीश नायर सहित अन्य गणमान्य लोगों ने मुख्यमंत्री का पगड़ी बांधकर स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बैसाखी के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जन संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार हर सुख दुख में आमजन के साथ खड़ी है और आधारभूत ढांचागत विकास के साथ आमजन को परिवार पहचान पत्र के माध्यम से सरकारी सेवाओं का लाभ लोगों को प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि होडल शहर के लोगों को सरकार की नीतियों का लाभ सीधे तौर पर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने होडल नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों के मामले में रखी गई मांग पर उन्हें राहत देते हुए सम्बंधित सफाई कर्मचारियों की लंबित सैलरी 75 फीसदी तुरंत रिलीज़ करने के आदेश दिए।

जन संवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि करीब 60 हजार की आबादी वाले इस शहर में अब तक 12 हजार 833 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये गए हैं और उनमें से अब तक 128 लोगों ने करीब 26 लाख रुपये की राशि का इलाज मुफ्त करवाया है। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र के तहत होडल में 1160 नए राशन कार्ड बनाये गए हैं जबकि पूर्व में 5500 राशन कार्ड बने हुए थे। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से अब 60 साल से अधिक आयु होने पर अपने आप ही बुजुर्गों की पेंशन बन रही है जिसके तहत होडल में अब तक 44 बुजुर्गों की पेंशन अपने आप ही बन गई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने बुजुर्ग दम्पति की वार्षिक आय की लिमिट को 2 लाख रुपये से बढ़कर 3 लाख रुपये तक कर दिया गया है।

पंजाब मुख्यमंत्री ने खुरालगढ़ के नज़दीक दो हादसों में मारे गए श्रद्धालुओं की मौत पर दुख प्रकट किया

मृतकों के वारिसों को 2 लाख रुपए की एक्स-ग्रेशिया देने का ऐलान

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को गढ़शंकर के नजदीक खुरालगढ़ के नजदीक बुधवार और गुरूवार को घटे दो दर्दनाक हादसों पर गहरा दुख प्रकट किया है, जिसमें 10 लागों की मौत हो गई और 20 ज़ख्मी हो गए।

इन भयानक हादसों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के साथ हमदर्दी साझी करते हुए परमात्मा के समक्ष प्रार्थना की कि इस मुश्किल घड़ी में इस अपूरणीय क्षति को सहन करने का बल प्रदान करें, और दिवंगत आत्माओं को शांति दें। इस दौरान भगवंत मान ने मुख्यमंत्री राहत फंड से मृतकों के वारिसों को 2-2 लाख और ज़ख्मियों को 1 लाख रुपए देने का ऐलान किया। उन्होंने पहले ही ज़िला प्रशासन को सभी ज़ख्मियों का मुफ्त इलाज करने के निर्देश दिए दिए हैं।

5000 रुपए रिश्वत लेता एएसआई विजीलैंस ब्यूरो द्वारा रंगे हाथों काबू

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजीलैंस ब्यूरो द्वारा राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही मुहिम के दौरान पुलिस थाना, हरियाणा, ज़िला होशियारपुर में तैनात सहायक सब इंस्पेक्टर-लोकल रैंक (ए.एस.आई.) राजिन्दर सिंह को 5000 रुपए की रिश्वत माँगने और लेने के लिए गिरफ्तार किया है। आज यहाँ यह खुलासा करते हुए विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उपरोक्त पुलिस कर्मचारी बस्सी नौं, हरियाणा के रहने वाले संजय उर्फ आशु की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है।

अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो से सम्पर्क कर दोष लगाया कि उपरोक्त पुलिस कर्मचारी ने शिकायतकर्ता के ख़िलाफ़ हरियाणा थाने में दर्ज एक केस का अदालत में चालान पेश करने के बदले 5000 रुपए रिश्वत के तौर पर देने की माँग की है।

प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की प्राथमिक जाँच के बाद विजीलैंस ब्यूरो की जालंधर रेंज की एक टीम ने जाल बिछाया और दोषी पुलिस कर्मचारी को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में 5000 रुपए की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इस सम्बन्ध में विजीलैंस ब्यूरो के पुलिस थाना, जालंधर रेंज में मुलज़िम ए.एस.आई. के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में आगे की जाँच जारी है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर द्वारा मलोट की धानक धर्मशाला के लिए दिए 5 लाख रुपए

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज मलोट में धानक धर्मशाला के लिए 5 लाख रुपए का चैक दिया।

कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पंजाब के गाँवों की सूरत बदलने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इन कार्यों को पूरा करने के लिए न तो जज़्बे की कमी है और न ही फंड्स की कमी है।

उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री ने आगे बताया कि कम्यूनिटी सैंटरों में गाँवों के लोगों को जहाँ शहरी सुविधा प्राप्त होगी, वहीं बिना किसी खर्चे के निजी और सार्वजनिक समारोह करने की सुविधा भी मिलेगी। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार बच्चों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में डिजिटल पुस्तकालय बनाए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने डॉ. अम्बेडकर डिजिटल पुस्तकालय के लिए 20 कंप्यूटर दिए, जिससे विद्यार्थी अपनी पढ़ाई सुचारू ढंग से कर सकें। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए किताबें और दो स्कूलों के जरूरतमंद विद्यार्थियों को कॉपियाँ एवं पेंसिलें भी बाँटीं।

बेहतरीन परिवहन सेवाएं प्रदान को सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने जिला पलवल के विभिन्न गांवों में चल रहे अपने जन संवाद कार्यक्रम के तीसरे दिन शुक्रवार को गांव हसनपुर के नव निर्मित बस स्टैंड का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने हसनपुर से चंडीगढ़ और मथुरा के लिये बसें जल्द शुरू की जाने की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक एकड़ भूमि पर तैयार नवनिर्मित बस स्टैंड पर जरूरी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा नए बस अड्डे के लिए एक एकड़ जमीन ग्राम पंचायत हसनपुर से करीब 64 लाख रुपए में खरीद कर दी है।

प्रदेश की 2.84 करोड़ आबादी मेरा परिवार, इनकी देखभाल करना मेरा काम : हरियाणा मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि कहा कि प्रदेश के 2 करोड़ 84 लाख आबादी मेरा परिवार है और उनकी देखभाल करना मेरा काम है। पिछले 8 सालों में हमारी सरकार ने प्रदेश में लोगों का जीवन सरल बनाया है। उन्होंने यह बात शुक्रवार को पलवल जिला में अपने तीन दिवसीय जनसंवाद कार्यक्रम के तहत गांव बड़ोली में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। बड़ोली के उपरांत गांव रसूलपुर में मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

मुख्यमंत्री ने परिवार पहचान पत्र के डाटा का जिक्र करते हुए कहा इस कार्यक्रम से प्रदेश में 72 लाख परिवारों की पहचान हुई। इन परिवारों के 2 करोड़ 84 लाख सदस्यों में 3100 बुजुर्ग ऐसे मिले जो अकेले अपना जीवन यापन कर रहे हैं। उनको संभालने का काम अब हरियाणा सरकार करेगी, जिसके तहत उनके लिए आश्रम बनाए जाएंगे और उनकी देखभाल का सारा खर्च सरकार वहन करेगी। इसी तरह प्रदेश में 6 से 18 वर्ष आयु के 48 लाख बच्चों की पहचान की गई, जिनमें करीब सवा दो लाख ऐसे बच्चे भी मिले जिनका पंजीकरण मदरसों, गुरुकुल या गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों में मिला। इन बच्चों को अगले वर्ष शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का जीवन सरल बनाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाएं, उन्हीं का अनुसरण करते हुए हरियाणा में भी अनेक नई पहल की गई। जिन परिवारों की 1.80 लाख रुपए से कम आय थी पीपीपी के माध्यम से साढ़े 12 लाख से अधिक परिवारों के राशन कार्ड दोबारा बनाए गए। बड़ोली गांव भी 600 परिवारों के राशन कार्ड बने। इसी तरह आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत बड़ोली में 4716 के गोल्डन कार्ड बने।

भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने की ली जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि भ्रष्टाचार की बुराई को जड़ से समाप्त करने की हमारी सरकार ने जिम्मेदारी ली। उन्होंने

कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों से पूछा कि क्या ग्रामीण विकास के लिए ई-टेंडरिंग की व्यवस्था से वे संतुष्ट हैं तो कार्यक्रम में मौजूद बड़ोली व आस पास के दर्जनों गांवों के सरपंचों ने गांव के विकास के लिए ई-टेंडर व्यवस्था का समर्थन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरिट पर भर्ती से प्रदेश में युवाओं का सिस्टम पर भरोसा बढा है। बड़ोली गांव में ही वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 68 युवाओं की नौकरी लगी है। उन्होंने युवाओं से यह भी पूछा कि नौकरियों के लिए किसी को रिश्वत तो नहीं दी तो युवाओं ने हाथ उठाकर मुख्यमंत्री का समर्थन किया।

जिन गांवों में धर्मशाला नहीं वहां बनेंगे बारातघर

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में पहुंचे सरपंचों से मांग पत्र के साथ साथ गांव की एक-एक प्रमुख मांग के बारे में पूछा तो अनेक सरपंचों ने गांव में बारातघर और शमशान घाट से जुड़ी मांग रखी। मुख्यमंत्री ने तुरंत घोषणा करते हुए कहा जिस गांव में एक भी धर्मशाला नहीं है वहां पर बारात घर खोले जाएंगे। इसी तरह शिवधाम नवीनीकरण योजना के तहत सभी गांवों में शमशान या कब्रिस्तान में चार दीवारी, शेड, पीने का पानी व रास्ता भी बनवाया जाएगा। जनसंवाद कार्यक्रम में गांव बड़ोली के राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने गांव में कॉलेज खोलने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया और कॉलेज में स्टाफ की मांग रखी। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही ट्रांसफ़र ड्राइव आरम्भ होगी।

शाहरूख और डायरेक्टर राजामौली का जलवा, टाइम की 100 प्रभावशाली शख्सियतों में शामिल

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान और दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने निर्देशक एसएस राजामौली टाइम मैगजीन की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। टाइम मैग्जीन ने दुनिया से 100 सबसे इंफ्लूएंशल लोगों की लिस्ट जारी की है। इसमें शाहरुख खान के साथ-साथ फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली का नाम भी शामिल है।

दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान की तारीफ करते हुए लिखा कि किसी के लिए जो उन्हें बहुत करीब से जानता है और उनकी गहराई से देखभाल करता है। उसके लिए 150 शब्द कभी न्याय नहीं करेंगे जो कि शाहरुख खान हैं। शाहरुख खान को हमेशा के लिए सबसे ग्रेट एक्टर में से एक के रूप में जाना जाएगा।लेकिन जो चीज उन्हें सबसे

अलग करती है, वह है उनका दिमाग, उनकी शिष्टता, उनकी उदारता। यह सूची बहुत लंबी है। एसएस राजामौली की तारीफ करते आलिया भट्ट ने लिखा है कि आरआआर डायरेक्टर दर्शकों की नब्ज पहचानते हैं। वह जानते हैं कि क्या हिट करना है, क्या लेना है। मैं उन्हें मास्टर स्टोरीटेलर कहती हूं क्योंकि वह वास्तव में कहानियों की शैली और परित्याग से प्यार करते हैं, और वह हमें साथ लाते हैं। भारत विविधता से भरा विशाल देश है और एसएस राजामौली हमें अपनी फिल्मों के माध्यम से एकजुट करते हैं।

किन्नौर में भीषण अग्निकांड, रूपी पंचायत के ईष्ट देव श्री कुलदेव नारायण जी का भव्य मंदिर राख

रिकांगपिओ। किन्नौर जिला के रूपी पंचायत में भीषण अग्निकांड हुआ है। गुरुवार देर रात किन्नौर जिले के रूपी गांव में स्थित इष्ट देव श्री कुलदेव नारायण जी के भव्य मंदिर में भीषण आगजनी में मंदिर राख हो गया है। घटना के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। स्थानीय देवता के मंदिर में आग लगने से करोड़ों का नुकसान होने की सूचना है। आग लगने की सूचना मिलते ही राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर नुकसान का आकलन करने में जुट गई है। आग कैसे लगी, अभी तक इसका पता नहीं चल पाया है।

संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के अंत्योदय के सिद्धांत को क्रियान्वित करने में जुटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल: राज्यपाल

दलितों पर अत्याचार ठीक नहीं, दलित उत्पीड़न रोकने के लिए बनायें सख्त से सख्त कानून: बंडारू दत्तात्रेय

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर की 132वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि बाबा साहब ने सदैव दलित-गरीब उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके अंत्योदय के सिद्धांत को ही आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल क्रियान्वित करते हुए देश-प्रदेश को विकास पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय शुक्रवार को दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी) में आयोजित बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती समारोह में उपस्थित जनसमूह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भी दलित अत्याचार की घटनाएं सामने आती हैं, जो उचित नहीं है। इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार को सख्त से सख्त कानून बनाना चाहिए।

राज्यपाल दत्तात्रेय ने कहा कि डा. अंबेडकर की शिक्षा व संदेश का अनुसरण करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने में जुटे हैं। इसमें अंत्योदय बहुत आवश्यक है, जिसके लिए उन्होंने गरीब वर्ग को स्टार्टअप शुरु करने के लिए दो करोड़ रुपये का ऋण प्रदान करने की योजना शुरू की है। वे भारत को विश्वगुरू बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस दिशा में सबको

योगदान देना चाहिए। हमें देश को पुनः: विश्व गुरु बनाने के लिए एकजुटता के साथ आगे बढ़ते हुए हर प्रकार के भेदभाव को मिटाना होगा। बाबा साहब डा. अंबेडकर ने भी सर्वसमाज के कल्याण के लिए काम किया। वे मात्र दलित नेता नहीं अपितु देश की 135 करोड़ जनता के नेता हैं। इसी भावना के साथ प्रधानमंत्री मोदी भी विकास पथ पर अग्रसर हैं।

बाबा साहब डॉ. अंबेडकर द्वारा दिए गए तीन संदेशों संगठित, संघर्ष व ज्ञान प्राप्ति की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इनको आत्मसात करते हुए ही जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। ज्ञान के महत्व और शक्ति को महसूस करते हुए डा0 अम्बेडकर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्च शिक्षा का अध्ययन किया। उन्होंने न्यूयॉर्क शहर के कोलंबिया विश्वविद्यालय से प्राचीन भारतीय वाणिज्य पर अपनी थीसिस को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद 1915 में मास्टर डिग्री प्राप्त की। उन्नीस सौ सौलह में उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से 'रुपये की समस्याः इसकी उत्पत्ति और इसका समाधान' नामक विषय की डॉक्टरेट थीसिस पर काम किया। 1920 में लंदन विश्वविद्यालय द्वारा डी.एस.सी. की उपाधि प्राप्त की। जून, उन्नीस सौ सताईस में, उन्हें कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। वह अपने समय के एक दुर्लभ भारतीय राजनेता थे जिन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय, लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स एवं बॉन विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था।

डॉ. अम्बेडकर गरीब लोगों, दलितों के भाग्य के बारे में चिंतित थे। डॉ अंबेडकर चाहते थे कि वे स्वतंत्र हों। उन्होंने दलित वर्ग समाज की स्थापना की। उन्होंने समाज के दबे-कुचले वर्गों के मुद्दों और आकांक्षाओं को उजागर करने के लिए उन्नीस सौ सताईस में रूढ़िवादी परम्पराओं की आलोचना करने के लिए एक मराठी पाक्षिक पत्रिका मूकनायक और हिन्दू धर्म में जाति प्रथा के उन्मूलन के लिए बहिष्कृत भारत की शुरुआत की। उन्होंने अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ मजबूती से खड़े होने की क्षमता और आत्मविश्वास के साथ संघर्ष के सिद्धांत और अध्ययन को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और समाज के कमजोर वर्गों जैसे एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी अल्पसंख्यकों व अन्य लाखों गरीब लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने।

डॉ. अम्बेडकर ने अपना जीवन दलितों की मुक्ति और सशक्तिकरण के लिए समर्पित कर दिया। इसलिए संघर्ष उनके जीवन का अभिन्न अंग बन गया। उन्नीस सौ सताईस में, डॉ. अम्बेडकर ने अपने हजारों अनुयायियों के साथ महाराष्ट्र के महाड़ में चवदार टैंक से पानी पीकर एक शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने 3 मार्च, 1930 को नासिक के कालाराम मंदिर में सभी हिंदुओं के सुरक्षित प्रवेश के लिए एक आंदोलन का नेतृत्व किया। बाबा साहेब ने अंग्रेजी शासन काल में ही क्षेत्रीय विधायी विधानसभाओं और राज्यों की केंद्रीय परिषद में दलित वर्ग के लिए आरक्षण का प्रावधान करवाया। उन्नीस सौ छत्तीस में उन्होंने इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी की स्थापना की। इसने उन्नीस सौ सैंतीस के बंबई चुनाव में तेरह आरक्षित और चार सामान्य सीटों के लिए केंद्रीय विधान सभा का चुनाव लड़ा और क्रमशः ग्यारह आरक्षित और तीन अन्य सीटों पर जीत हासिल की। उनके लिए लोकतांत्रिक मूल्य सर्वोपरि थे। अपने त्याग, संघर्ष, समर्पण और कठोर मेहनत के बल पर बाबा साहेब डा0 भीम राव जी अम्बेडकर आजाद भारत के पहले कानून मंत्री बने।

मुख्यमंत्री ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर अंबेडकर चौक, शिमला में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समरसता, सौहार्द और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए योगदान दिया। उनके अनुसार समतावादी समाज के निर्माण के लिए शिक्षा प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने समाज के पिछड़े वर्गों और गरीबों के कल्याण एवं उनके अधिकारों के लिए जीवन-भर कार्य किया। हमें उनके जीवन मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बाबा साहेब अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी के कैलेंडर का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर सूचना एवं जन संपर्क विभाग के कलाकारों ने भक्ति संगीत प्रस्तुत किया।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, विधायक विनय कुमार और हरीश जनारथा, उपायुक्त शिमला आदित्य नेगी, पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी, आयुक्त नगर निगम आशीष कोहली और अन्य गणमान्य लोग भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने एनसीओई हमीरपुर में बैडमिंटन कोर्ट मैट, जूडो हॉल और बॉक्सिंग हॉल का उद्घाटन किया

हमीरपुर । श्री अनुराग सिंह ठाकुर, युवा मामले और खेल, सूचना और प्रसारण मंत्री ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में साई (स्न्ढ्ढ)राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में खेल सुविधाओं का उद्घाटन किया। भारतीय खेल प्राधिकरण एनसीओई हमीरपुर ने बॉक्सिंग हॉल और जूडो हॉल के साथ फर्श के साथ बैडमिंटन कोर्ट मैट स्थापित और संचालित किए हैं।

मार्च 2022 में हिमाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र हमीरपुर की स्थापना की गई है। वर्तमान में प्रथम वर्ष के लिए गैर आवासीय आधार पर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, जूडो, हॉकी, कुश्ती के 6 विषयों में 91 एथलीट प्रशिक्षण ले रहे हैं। एनसीओई के भविष्य के विस्तार का कार्य प्रगति पर है जिसमें प्रतिभाशाली एथलीटों के लिए विस्तारित 300 बिस्तरों वाले छात्रावास सुविधाओं के साथ एक अंतरराष्ट्रीय खेल क्षेत्र और ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल होगा। श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कम समय में कोर्टों की सफल स्थापना के लिए साई के प्रयासों की सराहना की। मंत्री ने कहा, ÷इस साई एनसीओई को पूरा करने में सिर्फ 10 महीने लगे और मुझे खुशी है कि हम डॉ. अंबेडकर जयंती पर नए बैडमिंटन कोर्ट, नई रोशनी प्रणाली, कुश्ती और जूडो मैट और बहुत का उद्घाटन कर रहे हैं। यह काम रिकॉर्ड समय में किया गया है। इस एनसीओई के लिए और सुविधाएं भी आएंगी। हम सभी अपने जीवन में डॉ. अम्बेडकर के दिखाए रास्ते पर चलेंगे और अपने सपनों को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।÷ श्री ठाकुर ने कहा ÷यहां एनसीओई में बहुत सारे प्रतिभाशाली एथलीट होंगे और इन एथलीटों को यहां जो प्रशिक्षण मिलेगा, वह कौशल और विकास के मामले में उनके करियर को आगे बढ़ाएगा। इससे काफी प्रोत्साहन मिला है और हिमाचल प्रदेश में खेलों के विकास को और बढ़ावा मिलेगा। हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र को भारत में अगला बड़ा खेल केंद्र बनाने का है।

छात्रा के आग्रह पर स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे मुख्यमंत्री

नए स्कूल भवन के लिए तीन करोड़ रुपये की घोषणा

शिमला। 'सुख की सरकार' का मानवीय चेहरा एक बार पुनः देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू एक छात्रा के आग्रह पर उसके स्कूल की हालत देखने पहुंच गए। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गुलिंग में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा तेंजिन छोडन कुंगरी गोम्पा में मुख्यमंत्री से मिलने पहुंची और कहा कि उनके स्कूल की हालत ठीक नहीं है। बच्ची ने मुख्यमंत्री से स्कूल भवन का निरीक्षण करने का अनुरोध किया, जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्कूल देखने जरूर आएंगे। कुछ देर बाद मुख्यमंत्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गुलिंग पहुंचे और स्कूल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को पुराने स्कूल भवन को गिराकर नया भवन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र प्राक्कलन तैयार कर सरकार को भेजने के निर्देश दिए और मौके पर ही लगभग तीन करोड़ की लागत से यहां पर स्कूल का नया भवन तैयार करने की घोषणा की।

स्पिति घाटी के रंग में रंगे मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू स्पिति घाटी के अपने पहले प्रवास के दौरान घाटी के रंग में रंगे नजर आए। अपने भाषण की शुरूआत उन्होंने 'जूले' कहकर की, जिसका हिंदी में अर्थ है नमस्ते। जूले कहते ही स्थानीय लोगों ने जोरदार तालियां बजाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद स्थानीय निवासियों ने पारंपरिक परिधान छूबा पहनाकर उनका स्वागत भी किया। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कमलेश ठाकुर को भी स्पिति वासियों ने पारंपरिक परिधान पहनाया।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्थानीय संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों में गहरी रुचि दिखाई और कलाकारों की खुले मन से प्रशंसा की। उन्होंने कलाकारों को सम्मानित किया और सभी स्पितिवासियों को अपनी प्राचीन एवं अनूठी संस्कृति के संरक्षण के लिए बधाई भी दी।

राज्यपाल ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 133वीं जयंती के अवसर पर आज सामाजिक दलित पीड़ित उत्थान संस्थान द्वारा कला केन्द्र, सोलन में आयोजित समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर युग प्रवर्तक एवं भारतीय संविधान के निर्माता थे। डॉ. अम्बेडकर किसी एक वर्ग से संबंधित नहीं बल्कि समस्त मानवता से जुड़े वैश्विक विभूति थे। उनका समानता का सन्देश आज के दौर में और भी प्रासंगिक है।

राज्यपाल ने कहा कि संविधान निर्माता होने के साथ-साथ डॉ. अम्बेडकर ने सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए निर्बाध कार्य करते हुए गरीबों, शोषितों और दलितों की बेहतरी के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से सामाजिक भेदभाव के खिलाफ उन्होंने भाईचारे के संदेश, विचारों और सिद्धांतों को प्रसारित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संविधान को आत्मसात करने के उपरान्त देश के नागरिकों ने शांति, शिष्टता और प्रगति के पथ पर अग्रसर एक नए संवैधानिक, वैज्ञानिक, स्वशासित आधुनिक भारत में प्रवेश किया। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान एक अनूठा दस्तावेज है, जिसके लिए हम बाबा साहेब के योगदान को कभी नहीं भुला सकते।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस महान विभूति और उनके योगदान को विशेष महत्व दिया और बाबा साहेब से जुड़े तीर्थ स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया ताकि उनकी स्मृतियां अक्षुण रहें और आने वाली पीढ़ियां उनकी तपस्या और बलिदान से सीख ले सकें।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर का समानता, सामाजिक न्याय और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संदेश आज अधिक प्रासंगिक है। उनका व्यक्तित्व और कृतत्व विश्व भर में लाखों लोगों को प्रेरित करता है और उनकी विरासत को समाज के दलित और वंचित वर्गों के लिए हमेशा आशा की किरण के रूप में याद किया जाएगा।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कृष्ण लाल सहगल, कुलराकेश पंत, डॉ. योगराज, ट्विंकल शर्मा और लगन सिंह सहित विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

इससे पूर्व, सामाजिक दलित पीड़ित उत्थान संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद वीरेन्द्र कश्यप ने राज्यपाल का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा तैयार संविधान पर हम आगे बढ़ रहे हैं। उनका संदेश संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि वे एक महान अर्थशास्त्री, सामाजिक क्रांति के दूत और शिक्षाविद् थे तथा सभी धर्मों के लोग उन्हें समान रूप से मानते हैं।

डॉ. वाई.एस. परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का ज्ञान, शोध और अनुभव हमें संविधान के रूप में मिला है। उनके आदर्शों पर चलकर ही हम एक भारत के सपने को साकार कर सकते हैं।

शिवालिक-बाय-मेटल के प्रबंध निदेशक नरेंद्र सिंह घुम्मन ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने सिद्ध किया कि ज्ञान की शक्ति ही सबसे शक्तिशाली साधन है।

इस अवसर पर नगर निगम सोलन की महापौर पूनम ग्रोवर, उपायुक्त मनमोहन शर्मा, पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र शर्मा, मशरूम अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ. वी.पी. शर्मा, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

वैश्विक महापुरूष हैं डॉ. अम्बेदकर: शिव प्रताप शुक्ल

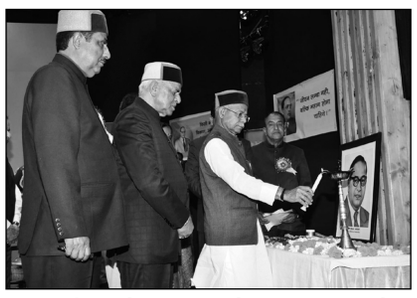

सोलन। राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेदकर किसी एक वर्ग से संबंधित नहीं हैं अपितु समूची मानवता के प्रतीक हैं और वैश्विक महापुरूष हैं, जिनके द्वारा प्रदत्त समानता का संदेश आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. अम्बेदकर कहा करते थे कि 'सबसे पहले और अंत में वह केवल भारतीय हैं।' राज्यपाल आज सोलन के कोठों स्थित कला केंद्र में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेदकर की 133वी जयंती समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अम्बेदकर भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार हैं, जिन्होंने देश को एक मज़बूत और एकजुट भारत का संविधान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान को जब अपनाया गया था तब भारत के नागरिकों ने शांति, शिष्टता और प्रगति के साथ एक नए संवैधानिक, वैज्ञानिक, स्वराज्य और आधुनिक भारत में प्रवेश किया था। हमारा संविधान पूरी दुनिया के लिए अनोखा दस्तावेज है, जिसके लिए बाबा साहब के महान योगदान को हम

भुला नहीं सकते। राज्यपाल ने कहा कि कुछ लोग अम्बेदकर को संसद की पहुंच से दूर रखना चाहते थे। लेकिन, देश की जनता ने उन्हें संसद भेजा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की इस महान शख्सियत को वह स्थान दिया जिसके वे पात्र थे। बाबा साहेब से जुड़े तीर्थ स्थलों को 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित किया गया ताकि बाबा साहेब की स्मृतियां अमर रहें और भावी पीढ़ी उनके तप व त्याग से सीख ले सके। श्री शुक्ल ने कहा कि बाबा साहेब का कहना था कि बुद्धि का विकास ही सबसे महत्वपूर्ण विकास है। एक विकसित समाज के व्यक्ति को उतना व्यक्तिगत और पारिवारिक संघर्ष नहीं करना पड़ता जितना एक अविकसित समाज के व्यक्ति को करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेदकर, एक उच्च शिक्षित व्यक्ति, प्रोफेसर, शिक्षाविद और एक अग्रणी वैश्विक विचारक थे। डॉ. अम्बेदकर ने अपने जीवन में शिक्षा को सबसे अधिक महत्व दिया और सदैव कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही मनुष्य समृद्ध हो सकता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का कहना था कि नैतिकता के बिना शिक्षा का मूल्य शून्य है। हमें अपने ज्ञान का उपयोग अपने भाइयों और बहनों के सुधार एवं प्रगति के लिए करना चाहिए, तभी भारत समृद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अम्बेदकर का समानता, सामाजिक न्याय और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संदेश आज अधिक प्रासंगिक है। उनका जीवन और कार्य दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करता है। उनकी विरासत को हमेशा समाज के दबे-कुचले और वंचित वर्गों के लिए आशा की किरण के रूप में याद किया जाएगा।

उप-मुख्यमंत्री ने एचआरटीसी के बेड़े में शामिल की गई 11 नई वोल्वो बसों को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

शिमला से मनाली वाया बिलासपुर के लिए वोल्वो बस सेवा शुरू

सोलन। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज सोलन ज़िला के कैथलीघाट से हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की 11 नई वोल्वो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों को हाल ही में प्रदेश पथ परिवहन निगम के बेड़े में शामिल किया गया है।

निगम की इन 11 बसों में से 4 तारादेवी यूनिट, 5 कुल्लू यूनिट तथा 2 धर्मशाला यूनिट के लिए भेजी गई हैं।

मुकेश अग्निहोत्री ने इस अवसर पर कहा कि हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में प्रदेश पथ परिवहन निगम की बसें जनमानस को बेहतर परिवहन सुविधाएं प्रदान करने का सर्वश्रेष्ठ साधन हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार परिवहन निगम को और बेहतर बनाकर लोगों को श्रेष्ठ सुविधाएं प्रदान करने तथा निगम को देश की बेहतरीन इकाईयों में से एक बनाने के लिए प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि एचआरटीसी को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से ही कार्य किया जा रहा है। निगम के बेड़े में समय-समय पर नई बसें शामिल कर लाभ अर्जित करने वाले रूट आरम्भ किए जा रहे हैं।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि एचआरटीसी के बेड़े में

आज शामिल 11 बसें जुड़ने से 76 वोल्वो बसें हो गई हैं।

उन्होंने इस अवसर पर शिमला से बिलासपुर एवं मंडी के रास्ते मानली के लिए नई वोल्वो बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। यह नई वोल्वो बस सेवा शिमला से प्रतिदिन प्रातः 09.00 बजे चलकर सांय 06.00 बजे मनाली पहुंचेगी। वापसी में यह बस मनाली से प्रातः 09.00 बजे चलकर सांय 0.6.00 बजे शिमला पहुंचेगी। शिमला से मनाली वोल्वो बस का एक तरफ का किराया 1019 रुपये निर्धारित किया गया है।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि इसके अतिरिक्त पथ परिवहन निगम के नए वोल्वो बस रूट भी प्रस्तावित हैं। इनमें शिमला-जयपुर, शिमला-श्रीनगर, टापरी-चंडीगढ़ हवाई अड्डा तथा चिंतपूर्णी-दिल्ली शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के धार्मिक स्थलों से भी बस सेवाएं आरम्भ करने पर विचार किया जा रहा है। हिमाचल को देश एवं विदेश में धार्मिक पर्यटन के लिए जाना जाता है और धार्मिक स्थलों से नई बस सेवाएं आरम्भ होने से पर्यटन क्षेत्र को व्यापक लाभ होगा।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि इन हाउस मुरम्मत सुविधा और वोल्वो बसों के लिए प्रशिक्षित मकैनिक उपलब्ध होने के दृष्टिगत अब सभी वोल्वो बसों को तारादेवी, कुल्लू और पालमपुर स्थित निगम इकाईयों से संचालित करना प्रस्तावित है।

उन्होंने कहा कि राज्य को 'ग्रीन स्टेट' बनाने के दिशा में प्रदेश सरकार व्यापक स्तर पर इलेक्ट्रिक बसों को निगम के बेड़े में शामिल करने जा रही है। धर्मशाला डिपो के लिए 15 इलेक्ट्रिक बसें धर्मशाला पहुंच गई हैं जबकि शिमला के लिए शीघ्र ही 20 इलेक्ट्रिक बसें पहुंचने वाली हैं। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में 75 और इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के लिए हमीरपुर ज़िला के नादौन में मास्टर डिपो भी तैयार किया जाएगा ताकि हिमाचल 'मॉडल स्टेट फॉर इलेक्ट्रिक व्हीकल' के रूप में जाना जाए।

उन्होंने कहा कि निगम की आय बढ़ाने तथा हिमाचल की सड़कों को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में अवैध रूप से चलने वाली वोल्वो बसों पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही अमल लाई जाएगी।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि कोरोना के समय में एचआरटीसी की आय में काफी गिरावट दर्ज की गई थी। वर्तमान में निगम के चालकों एवं परिचालकों के अथक परिश्रम से अब हर माह 65 करोड़ रुपये तक की आय अर्जित हो रही है।

उन्होंने कहा कि निगम के कर्मचारियों की पेंशन एवं वेतन व्यवस्था को स्थाई करने के लिए प्रदेश सरकार कृतसंकल्प है ताकि कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर निगम के प्रबंध निदेशक संदीप कुमार, महाप्रबंधक संदीप दीवान, क्षेत्रीय प्रबंधन शिमला पवन कुमार शर्मा, प्रबंधक तकनीकी अमित चौहान, क्षेत्रीय प्रबंधक तारादेवी पंकज ठाकुर, क्षेत्रीय प्रबंधक ग्रामीण अंकुर वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राज्यपाल ने हिमाचल दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई दी: शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने प्रदेशवासियों को 76वें हिमाचल दिवस पर बधाई दी है। अपने शुभकामना सन्देश में राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल को देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है। कुदरत ने इसे अपार प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से नवाजा है। उन्होंने कहा कि यहां के मेहनती एवं कर्मठ लोगों ने राज्य के विकास में अपना भरपूर योगदान दिया है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109 (हरियाणा)। फोनः 0112-2569000, । email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

हरियाणा देश का पहला राज्य होगा जहां ग्रामीण स्तर पर सभी अस्पतालों/चिकित्सा केन्द्रों में ईसीजी की सुविधा होगी - अनिल विज

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य होगा जहां ग्रामीण स्तर पर सभी अस्पतालों/चिकित्सा केन्द्रों में ईसीजी की सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि हम अपने सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में ईसीजी सुविधा देने जा रहे हैं ताकि मरीज के प्राथमिक लक्षणों का वहीं पर ही पता लगाया जा सकें।

श्री विज आज अंबाला छावनी के सिविल अस्पताल में मैडीटीना के तत्वाधान में काम्पलैक्स पीसीआई कार्डिक वर्कशॉप के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डाक्टरों व अन्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। पीसीआई कंपलेक्स कार्डिक वर्कशॉप का शुभारंभ श्री अनिल विज के अलावा मेडीटीना हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉक्टर एन. प्रताप कुमार, इटली से आए वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. इमाद शैबान द्वारा किया गया।

''मेरा एक ही लक्ष्य है कि मेरे राज्य से एक भी मरीज अपना इलाज कराने के लिए बाहर किसी अन्य राज्य या शहर में न जाए, उसे हमारे राज्य में ही सुविधाएं मुहैया हों''- विज

इस मौके पर उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोग बडे अस्पतालों में हदय का इलाज कराने के लिए जाते हैं और परेषान होते हैं जबकि कुछ लोगों को कुछ हार्ट का रोग नहीं भी होता है इसलिए उनके लक्षणों की जांच के लिए राज्य के प्रत्येक पीएचसी में ईसीजी की सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ''मेरा एक ही लक्ष्य है कि मेरे राज्य से एक भी मरीज अपना इलाज कराने के लिए बाहर किसी अन्य राज्य या शहर में न जाए, उसे हमारे राज्य में ही सभी प्रकार की सुविधाएं मुहैया हों''। उन्होंने कहा कि हम यहां अंबाला में हार्ट, कैंसर, डायलिसीज का सेंटर चला रहे हैं और ऐसा ही हरियाणा में वे चाहते हैं ताकि मरीजों को बाहर न जाना पडें।

जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कराया जा रहा है अध्ययन-विज

श्री विज ने कहा कि राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए डब्ल्यूएचओ के दिशा निर्देशो के तहत अध्ययन करवाया जा रहा है कि कहां और कितनी क्षमता की स्वास्थ्य सेवाएं चाहिए। उन्होंने बताया कि इस अध्ययन हेतू एक कंपनी को कार्य दिया गया है जो हमें एक रिपोर्ट तैयार करके देगी कि कहां-कहां और क्या-क्या स्वास्थ्य सुविधाएं जैसे कि डाक्टर, पैरामैडीकल स्टाफ, उपकरण इत्यादि की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से हम सभी क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे पाएंगें।

प्रत्येक हरियाणावासी के स्वास्थ्य से संबंधित टेस्ट कराए जाएंगे, जानकारी ई-उपचार के माध्यम से दर्ज भी की जाएगी-विज

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24 बसें ली गई है जिनमें स्वास्थ्य से संबंधित सुविधाएं जैसे कि टेस्टिंग की सुविधा, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ भी है। ये बसें लगातार चलती रहती है और गांव-गांव व कस्बों में जा रही है ताकि लोगों का इलाज वहीं पर किया जा सकें। उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक हरियाणावासी के सभी प्रकार के टैस्ट करने जा रहे हैं और ये सभी जानकारी ई-उपचार के माध्यम से दर्ज भी की जाएगी ताकि भविष्य में मरीज के स्वास्थ्य इतिहास का पता चल सकें। इसके अलावा, किस बीमारी के कितने मरीज हैं का भी पता चल पाएगा।

सैटेलाइट या छोटे शहरों में स्वास्थ्य सुविधाएं हेतु देना होगा बल, अस्पतालों से केवल रेफर मामले ही पीजीआई या एम्स में जाने चाहिए- विज

उन्होंने कहा कि हमारे पास हरियाणा में 4 कैथलैब हैं और राज्य के अस्पतालों में ओर नए कैथलैब स्थापित करने के लिए योजना बनाई जा रही है। उन्होंने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा कि ''मैं सोचता हूं कि हमारे पास पीजीआई और एम्स जैसे संस्थान कई शहरों में हैं। अगर हम सैटेलाइट कस्बों व शहरों में गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं देते हैं तो इन संस्थानों में मरीजों की भरमार रहती है और इसकी वजह से अनुसंधान का कार्य नहीं किया जा सकता। इसलिए हमें हरियाणा या आसपास के राज्यों में चाहिए कि सैटेलाइट या छोटे शहरों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों ताकि ऐसे मरीजों की देखभाल वहीं की जा सके। उन्होंने कहा कि इन अस्पतालों से केवल रेफर मामले ही पीजीआई या एम्स में जाने चाहिए।

अंबाला छावनी के अस्पताल में अब तक 13 हजार के लगभग एंजियोप्लास्टी की जा चुकी, होना चाहिए अध्ययन- विज

उन्होंने डॉ. प्रताप का धन्यवाद करते हुए कहा कि वे यहां पर कैंसर अस्पताल खोल रहे हैं जोकि सराहनीय है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि हमारे यहां स्थापित सिविल अस्पताल पर अध्ययन होना चाहिए कि यहां पर बहुत ही अधिक संख्या में मरीजों का इलाज किया जा रहा है और बहुत ही अधिक संख्या में मरीज यहां पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि अंबाला छावनी के अस्पताल में अब तक 13 हजार के लगभग एंजियोप्लास्टी की जा चुकी है अर्थात 12 हजार से अधिक लोगों की जान बचाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार से पंचकूला के सिविल अस्पताल में भी 7 हजार के लगभग एंजियोप्लास्टी की जा चुकी है और लोगों को बचाया गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि अंबाला में कैथलेब है और जहां पर डॉ राघव बढिया सेवाएं दे रहे हैं। श्री अनिल विज ने कहा कि इस परियोजना की सफलता स्वास्थ्य विभाग हरियाणा द्वारा संचालित सार्वजनिक निजी भागीदारी योजना की सफलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरकार इस प्रकार के ओर प्रोजेक्ट लाने के लिए काम कर रही है।

उल्लेखनीय है कि अंबाला में हरियाणा में पीपीपी मोड पर चल रहे मेडीटीना हार्ट सेंटर में आयोजित कॉर्डिक वर्कशॉप में देश भर से आए 25 कॉर्डियोलॉजिस्टों ने दिल के मरीजों की जटिल से जटिल (कॉम्प्लेक्स) पीसीआई कोरोनरी सर्जरी की विभिन्न तकनीकों से इलाज की बारीकियां सीखी। इस अवसर पर लाइव सर्जरी का भी सीधा प्रसारण भी किया गया।

इस अवसर पर डॉ. प्रताप ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज ने सिविल अस्पताल में मेडिटीना हॉस्पिटल पर हार्ट सेंटर संचालन का जो भरोसा जताया हैं हम उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास कर रहे हैं, ताकि जरूरतमंद मरीजों को दिल का बेहतर इलाज मिल सके। वर्कशॉप में मेडीटरीना हॉस्पिटल अंबाला कैंट के सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर डॉ राघव शर्मा, केरल के डॉक्टर मनु आर, डॉ. दीपक, डॉ मनिंदर, डॉ हरसिमरन समेत देश भर से आए 25 कार्डियोलॉजिस्ट ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री की घोषणा, रेनीवेल परियोजना से गांव खाम्बी की पेयजल समस्या का होगा समाधान

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गांव खाम्बी में पीने के पानी की समस्या के स्थाई समाधान के लिए सरकार सजग है, जिसके लिए 200 करोड़ रुपए की रेनीवेल परियोजना में गांव खाम्बी को शामिल करते हुए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। गांव में कन्या महाविद्यालय बनाने की मांग पर सरकार विचार करेगी और क्षेत्र के तीन मुख्य सड़कों के निर्माण का कार्य जल्द शुरु किया जायेगा। उन्होंने ब्राह्मण महासभा के अनुरोध पर पलवल में खाली पड़ी सरकारी जमीन में से सर्कल रेट पर धर्मशाला के लिए 2 हजार गज जमीन नियमानुसार देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को पलवल जिला के गांव खाम्बी स्थित राम मंदिर पार्क में जनसंवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप सरकार एक से बढ़कर एक कल्याणकारी नीतियां बना रही है, ताकि लोगों को उनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। पूरा हरियाणा मेरा परिवार है आपकी शिकायत कागज पर लिखे कुछ शब्द नहीं बल्कि एक जरूरत है और इसे सरकार गंभीरता से लेकर समाधान कराएगी। पिछले साढ़े आठ साल से जनसेवा की भावना के साथ सरकार हर वर्ग के चहुंमुखी विकास के विजन को लेकर आगे बढ़ रही है। यही कारण है कि आज जनता आज खुले मन से सरकार की जनहितैषी नीतियों की प्रशंसा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने परिवार पहचान पत्र को जनता के लिए जरूरी बताया और कहा कि गांव में जितने परिवारों के पीपीपी बने हैं, उतनी ही आबादी की गिनती की जाएगी। जिन लोगों ने अभी तक किसी कारणवश परिवार पहचान पत्र नहीं बनवाया है, वो तुरंत बनवा लें। उन्होंने कहा कि पीपीपी ना बनवाने से खुद का नुकसान तो है ही, इसके अलावा सरकार आबादी के हिसाब से ही गांव के विकास के लिए अनुदान राशि स्वीकृत करती है।

हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के चेयरमैन एवं होडल के विधायक श्री जगदीश नायर ने मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल का स्वागत करते हुए गांव की अनेक मांगें रखी, जिनमें अधिकांश मांगों को मुख्यमंत्री ने पूरा करने का आश्वासन दिया। श्री नायर ने मुख्यमंत्री को बताया कि गांव खाम्बी के विकास पर 17 करोड़ 12 लाख रुपए की राशि से अनेक विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

भ्रष्टाचार किसी सूरत में भी बर्दाश्त नहीं

जन संवाद के बीच मुख्यमंत्री ने एक युवक हेमंत की पुलिस वेरिफिकेशन के नाम पर रिश्वत लेने की बात बताने पर कड़ा संज्ञान लिया। उन्होंने मौके पर ही पुलिस अधीक्षक को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए सरकार प्रभावी रूप से काम कर रही है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वे रिश्वत लेने वाले की सूचना उन तक पहुंचाएं ताकि दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जा सके ।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री जवाहर यादव, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार अमित आर्य सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

किसानों के बैंक खातों में एक ही दिन के अंदर 500 करोड़ से अधिक रुपए किए जारी: लाल चंद कटारूचक्क

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार यह सुनिश्चित बनाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है कि रबी के चल रहे मंडीकरण सीजन (आर.एम.एस.) के दौरान राज्य भर की मंडियों में किसानों को कोई मुश्किल पेश न आए। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क ने यहाँ जारी एक बयान में कहा कि इसके सबूत के तौर पर 19,642 किसानों के बैंक खातों में 2,125 रुपए प्रति क्विंटल के न्युनतम समर्थन मूल्य पर 502.93 करोड़ की पूरी राशि एक ही दिन के अंदर जारी कर दी गई है।

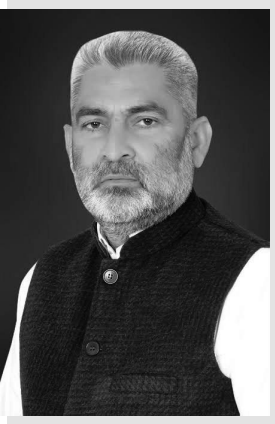

किसानों को न्युनतम समर्थन मूल्य पर अदायगियाँ करने समय पर कीमत पर कोई कटौती नहीं लगाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि आज 14 अप्रैल तक सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा 8 लाख मीट्रिक टन (एल.एम.टी.) गेहूँ की खरीद की जा चुकी है। श्री कटारूचक्क ने आगे कहा कि सभी मंडियों में निर्विघ्न खरीद कार्यों को सुनिश्चित बनाने के लिए सुचारू प्रबंध किए गए हैं और किसान भाईचारे द्वारा सख्त मेहनत कर तैयार की गई फ़सल का एक-एक दाना खरीदने के निर्देश दिए गए हैं।

अब तब पंचकूला की तीनों मंडियों में 1091.1 मीट्रिक टन सरसों व 9795 मिट्रिक टन गेहूं की हुई खरीद

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला में रबी सीजन 2023-24 के दौरान गेंहू व सरसों की खरीद तथा उठान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा अब तब जिला की मंडियों में 1091.1 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की जा चुकी है, जिसमें से 1071.7 मीट्रिक टन सरसों का उठान किया जा चुका है। इसी प्रकार अब तक 9795 मिट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है और 582 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजंसियों हैफेड और हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा पंचकूला, बरवाला और रायपुरानी स्थित अनाजमंडियों में गेंहू व सरसों की खरीद की जा रही है।

चंडीगढ़ में ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर 3 पुलिस कांस्टेबल निलंबित

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में जिला अपराध प्रकोष्ठ (डीसीसी) में तैनात तीन पुलिस कांस्टेबलों को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।पुलिसकर्मी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान अवैध सट्टेबाजी के लिए पकड़े गए तीन जुआरियों के साथ काम कर रहे थे।निलंबित पुलिसकर्मियों की पहचान कांस्टेबल हंसा राम, मनजीत सिंह और संदीप कुमार के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं उन्होंने जुआरियों को छुड़ाने के लिए पैसे तो नहीं मांगे।सूत्रों ने बताया, 'पार्थ, नितिन और गगन के रूप में पहचाने गए तीन कथित जुआरियों को कल (गुरुवार) दोपहर राउंड अप किया गया था, लेकिन औपचारिक रूप से गिरफ्तार नहीं किया गया। रात करीब नौ बजे किसी ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया और कहा कि तीनों लोगों को अगवा कर लिया गया है और अवैध रूप से सेक्टर 24 में रखा गया है, जहां जिला अपराध प्रकोष्ठ का कार्यालय है। एक आईपीएस और दो डीएसपी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तीनों को वहां पाया लेकिन पैसे का कोई निशान नहीं था।एसएसपी (यूटी) कंवरदीप कौर ने कहा, 'हमने ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में जिला अपराध प्रकोष्ठ के तीन कांस्टेबलों को निलंबित कर दिया है। आईपीएल मैच पर जुआ खेलने वाले तीनों युवक सेक्टर 24 स्थित जिला क्राइम सेल परिसर में मिले। तीनों जुआरियों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। उनके पास से कुछ रकम बरामद हुई है। उनके आचरण की जांच करने के लिए तीन कांस्टेबलों के खिलाफ जांच का आदेश दिया गया है।सूत्रों ने बताया कि पार्थ, नितिन और गगन के पास से 6,400 रुपये नकद बरामद किए गए, जिन्होंने जुआ खेलने के लिए ऑनलाइन आवेदन का इस्तेमाल किया था।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने सेक्टर 14 के पार्कों का किया निरीक्षण

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने आज सेक्टर 14 के पार्कों का निरीक्षण किया और पार्कों की नियमित साफ-सफाई और ओपन जिम के सामान के रख-रखाव के लिए दिशा-निर्देश दिये।

इस अवसर पर नगर निगम की संयुक्त आयुक्त श्रीमती ऋचा राठी और कार्यकारी अभियंता प्रमोद कुमार भी उपस्थित थे।

उन्होंने निर्देश दिये कि पार्कों में लगाए गए जिम के सामान की जांच की जाए और यदि कोई इक्यूपमेंट खराब पाया जाए तो उसे तुरंत बदला जाए ताकि पार्क में आने वाले बच्चे और सेक्टरवासी इनका भरपूर लाभ उठा सकें। उन्होंने निर्देश दिये कि पार्कों में लगे बड़े गेट्स पर ताले लगाए जाएं ताकि कोई आवारा पशु या वाहन पार्क में प्रवेश न कर सकें। सेटरवासियों की मांग पर उन्होंने निर्देश दिये कि सेक्टर 14 स्थित किसान भवन के साथ लगते मैदान की साफ-सफाई करवाई जाए।

श्री गुप्ता ने कहा कि आज के तनाव और भागदौड़ भरे जीवन में खेलों और अन्य शारीरिक गतिविधियों को शामिल करना आवश्यक है। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि पार्क में दो बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण किया जाए। नेट और पोल की व्यवस्था स्पोर्टस प्रमोशन सोसायटी द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्पोर्टस प्रमोशन सोसायटी द्वारा बैडमिंटन खेल को प्रोत्साहित किया जा रहा है और सोसायटी द्वारा अब तक विभिन्न पार्कों में बैडमिंटन नैट लगाए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने पार्कों की साफ-सफाई का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिये कि सफाई कर्मचारी सुनिश्चित करें कि पार्कों में पेड़ों के पत्ते या अन्य कचरा इकट्ठा न हो और उसे प्रतिदिन उठा कर उसका उपयुक्त स्थान पर निश्पादन किया जाए ताकि पार्कों की साफ-सफाई बनी रहे। उन्होंने पार्क में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के वॉटक वकर्स का भी निरीक्षण किया और संबंधित कर्मचारी को प्रतिदिन वॉटक वकर्स की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर भाजपा चंडीगढ़ ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश कार्यालय कमलम में डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की 132 वीं जन्म जयंती पर उनके चित्र पर उन्हें पुष्प अर्पित कर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की सभी ने बाबा साहब की शिक्षाओं पर चलने की शपथ ली। इसके साथ ही सभी जिलों एवं मंडलों पर पदाधिकारियों ने जन्म जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की इन श्रद्धांजलि कार्यक्रमों में जिला एवं मंडल के साथ-साथ सभी मोर्चों के पदाधिकारी भी शामिल हुए।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण सूद ने कहा भाजपा चंडीगढ़ के हजारों कार्यकर्ता हर बूथ पर बाबा साहब की जयंती मना रहे हैं उन्होंने कहा कि भाजपा डॉ भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर काम कर रही है। डॉ भीमराव अंबेडकर संविधान के रचयिता थे उन्होंने भारत के संविधान में सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और प्रजातंत्र इस तरह से मजबूत हो सकता है इस संविधान के माध्यम से रची थी आज भारत ज्योति प्रगति से आगे बढ़ रहा है इसमें उनका बहुत बड़ा योगदान है उन्होंने सारे समाज को एकत्र करके एक साथ आगे बढ़ने में संवैधानिक ढांचे में इसकी व्यवस्था की थी। इस अवसर पर आज जंयती समारोह में प्रदेश महामंत्री चंद्र शेखर,प्रदेश सचिव हुकम चंद, देवी सिंह, गजेंद्र शर्मा, ओपी मेहरा, युवा मोर्चा अध्यक्ष विजय राणा, महामंत्री गणेश झा, एससीमोर्चा महामंत्री भरत कुमार, जिला महामंत्री राजेश अरोड़ा उपस्थित रहे।

एसबीआई कॉलोनी सेक्टर 42सी चंडीगढ़ में भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारियों द्वारा डॉ. भीम राव अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। एसबीआई कॉलोनी सेक्टर 42सी चंडीगढ़ में भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारियों द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की 132वीं जयंती मनाई गई। कॉलोनी के तमाम रहवासी मौजूद रहे। बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की विचारधारा और साहित्य को साझा किया गया और लोग डॉ. भीम राव अम्बेडकर के पदचिन्हों का अनुसरण कर रहे हैं।

जिला को आवारा पशु मुक्त बनाने के सपने को साकार करने की दिशा में एक और कदम

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला को आवारा पशु मुक्त बनाने के सपने को साकार करने की दिशा में एक और कदम बढाते हुए हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने आज गांव कोट में नव निर्मित नंदीशाला का उदघाटन किया। इस नंदीशाला में लगभग 2 हजार नंदियों की देखभाल की जाएगी। इसके अलावा श्री गुप्ता ने गांव कोट में ही 2.5 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले भारत माता के मंदिर का भूमिपूजन भी किया।

इस अवसर पर नगर निगम के महापौर श्री कुलभूषण गोयल, आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक प्रेमजी गोयल, विभाग संघ चालक रमाकांत भारद्वाज और बीजेपी जिला अध्यक्ष अजय शर्मा भी उपस्थित थे। इससे पूर्व श्री गुप्ता ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुश्प अर्पित कर नमन् किया। उन्होंने नंदीशाला में नंदियों को चारा भी खिलाया।

गांव कोट वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि आज वैसाखी के अवसर पर दो प्रतिष्ठित परियोजनाओं का शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत माता का मंदिर अपने आप में अभूतपूर्व होगा। हम जन्म से मृत्यु तक भारत माता की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि कोट में बनने वाला भारत माता का यह मंदिर हरिद्वार के बाद देश का दूसरा सबसे भव्य मंदिर होगा जहां दूर-दूर से लोग इसके दर्शन के लिए आएंगे। यह मंदिर लगभग डेढ साल में बनकर तैयार होगा।

श्री गुप्ता ने कहा कि उन्होंने पंचकूला को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाने के लिए सात सरोकार दिये हैं जिसमें पंचकूला को आवारा पशुमुक्त बनाना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस नंदीशाला में आवारा और बेसहारा नंदियों की देखभाल और पालन-पौषण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेसहारा गायों के लिए जिला में कई गउशालाएं खोली गई हैं परंतु नंदियों के लिए इस तरह की व्यवस्था काफी समय से महसूस की जा रही थी। उन्होंने कहा कि सड़कों पर वाहनो की चपेट में आने से नंदी जख्मी हो जाते हैं और जब वे खेतों में जाते हैं तो किसानों की पकी फसल उजाड़ते हैं जिससे किसानों का काफी नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि इस नंदी शाला में तीन अतिरिक्त शैडों का निर्माण किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे समाज में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गाय में 33 करोड़ देवी-देवता वास करते हैं। उन्होंने कहा कि गउओं का बेहतर ढंग से पालन-पोषण करने के लिए कई नई गौशालाएं खोली गई हैं। माता मनसा देवी गौधाम में गउशाला स्थापित की गई है जहां 1500 गायों का पालन-पोषण किया जा रहा है। इसी प्रकार गांव सुखदर्शनपुर में गउशाला स्थापित की गई है जिसमें एक हजार और गांव रिहोड़ में 400 गायों की सेवा की जा रही है। इसके अलावा सेक्टर 23 में निफ्ट के सामने घग्गर नदी के साथ-साथ गौवन धाम में भी 1500 बेसहारा और जख्मी गांयों का इलाज और देख-रेख की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय के मन के गउ माता के प्रति अथाह स्नेह है। वे आशा करते हैं कि सभी नागरिक गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए मिल कर कार्य करेंगे।

श्री गुप्ता ने कहा कि पिछले लगभग 9 वर्षों में जिला में विकास की दृष्टि से लोगों को बिजली, पानी, सड़क, स्कूल और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। पिछले सरकार के कार्यकाल में केवल 8 से 10 घंटे बिजली की आपूर्ति की जाती थी परंतु आज जिला में 24 घंटे बिजली दी जाती है। इसके अलावा पीने के पानी की समस्या के समाधान के लिए 62 करोड़ रूपए की लागत से कजौली वॉटर वर्कस मौहाली से पंचकूला तक लगभग 30 किलोमीटर पाईपलाईन बिछा कर पानी की सप्लाई की जा रही है ताकि पीने के पानी की कोई समस्या न रहे। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने प्रमुख सड़कों के निर्माण और मरम्मत के लिए 25 करोड़ रूपए स्वीकृत किए हैं। उन्होंने कहा कि कोट से खेलपराली वाया रत्तेवाली सड़क का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होने वाला है। इसके अलावा बरवाला से डेराबसी सड़क का टैंडर खुल चुका है और जल्द ही कार्य अलॉट कर दिया जाएगा।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए नगर निगम के महापौर कुलभूषण गोयल ने गांव कोट में नंदीशाला के उदघाटन और भारत माता के मंदिर के भूमिपूजन पर गांव वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इन दोनो परियोजनाओं का निर्माण नगर निगम द्वारा करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला में जहां कहीं भी बेसहारा नंदी पाए जाएंगे उन्हें पकड़ कर इस नंदीशाला में लाया जाएगा।

इस अवसर पर श्री कुलभूषण गोयल ने नगर निगम पंचकूला के 100 कर्मचारियों को अपना 8 महीने का मानदेय वितरित किया। इसमें बेलदार, माली, सुपरवाईजर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, पीयन, ड्राईवर, होमगार्ड, इलेक्ट्रीशन और हैल्पर शामिल हैं।

आप का बढ़ा मनोबल

संपादकीय

चुनाव आयोग ने ताजा समीक्षा के बाद राष्ट्रीय पार्टियों की जो सूची जारी की है, उसने सबसे ज्यादा खुश किसी को किया है तो वह है आम आदमी पार्टी। पार्टी के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल ने खबर आने के बाद ट्वीट किया कि 'इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? यह किसी चमत्कार से कम नहीं है।' हालांकि पहले ही चुनाव में विरोधियों का सूपड़ा साफ कर देने वाली पार्टियों के कई उदाहरण देश में मौजूद हैं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि हाल के दौर में आम आदमी पार्टी की ग्रोथ स्टोरी ने समर्थकों और विरोधियों से अलग निरपेक्ष समूहों का भी ध्यान खींचा है। निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय पार्टी को जिस तरह की सहूलियतें और सुविधाएं मिलती हैं, वे भी उसे मिलेंगी। देश भर में उसका चुनाव चिह्न उसके प्रत्याशियों के लिए सुरक्षित रहेगा, राष्ट्रीय राजधानी में दफ्तर बनाने के लिए भूखंड भी आवंटित होगा, लेकिन जो सबसे बड़ा फायदा इससे उसे होने वाला है, वह है समर्थकों और कार्यकर्ताओं का बढ़ा हुआ मनोबल। एक अपेक्षाकृत नई पार्टी के रूप में यहां से और आगे बढ़ने के लिहाज से यह फैक्टर पार्टी के लिए खासा महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। लेकिन यह भी याद रखने की जरूरत है कि किसी राजनीतिक दल की यात्रा में इस तरह के पल आते-जाते रहते हैं। 2014 के बाद के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुए प्रदर्शन के आधार पर अगर आम आदमी पार्टी ने यह उपलब्धि हासिल की है तो इसी आधार पर ञस्ष्ट, हृष्टक्कऔर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया यानी ष्टक्क्ठ्ठ से राष्ट्रीय पार्टी का यह दर्जा छिन भी गया है। ञस्ष्ट और हृष्टक्कभी मुख्यत~एक राज्य में केंद्रित पार्टियां हैं, जो कुछ अन्य राज्यों में जनाधार हासिल करने की जद्दोजहद में लगी रहती हैं। यही नहीं, विपक्षी खेमे में अहम भूमिका हासिल कर राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक रोल में आने की इच्छा भी दोनों दलों में है। इस लिहाज से ऐसे वक्त आम आदमी पार्टी से पिछड़ते हुए दिखना दोनों दलों के लिए खास तौर पर पीड़ादायक होगा। लेकिन ऐतिहासिक संदर्भों को याद रखते हुए देखें तो इन सबसे ज्यादा बड़ी घटना है कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय दल का दर्जा छिनना। हालांकि इसी से अलग होकर बनी सीपीएम अब भी एक राष्ट्रीय पार्टी है, लेकिन देश की सबसे पुरानी कम्युनिस्ट पार्टी की यह दुर्गति कोई अचानक हुई घटना नहीं है। लंबे समय से लगातार सिमटते जनाधार और कम होते समर्थन के कारण यह धीरे-धीरे नीचे खिसकते हुए यहां तक पहुंची है और निकट भविष्य में इसका ग्राफ ऊपर उठने के आसार भी नहीं दिख रहे। यह पार्टी के लिए विचारणीय प्रश्न है।

हम तो सिर्फ मैडम सर का कहा मानेंगे

एक तरफ हम खुश होते हैं कि महिलाओं को बराबर का दर्जा देने के लिए हमारा समाज, सरकारें, कंपनियां कितना कुछ कर रही हैं और उसी का नतीजा है कि महिलाएं आज राजनीति से लेकर पुलिस बल, कोर्ट, अस्पताल, कॉरपोरेट ऑफिस और यहां तक कि सेना में भी हैं। उन्हें बराबरी का दर्जा देने की नीयत से कई जगह रिजर्वेशन है, लेकिन हम आज भी इस सच को दिल से कबूल नहीं कर पाए हैं।

(नमिता जोशी)

अभी कुछ दिन पहले एक नई मूवी का विज्ञापन देखा, जो जल्द रिलीज होने वाली है। नाम है सर मैडम सरपंच। इस सामाजिक व्यंग्य में विदेश से आई महिलाओं की कहानी कही गई है, जो गांव की सरपंच बनकर लौटीं। फिल्म में तो राजनीति के अलावा अन्य कुरीतियों पर व्यंग्य कसा ही गया होगा, साथ ही इसके टाइटल में आज के कथित प्रोग्रेसिव समाज की झलक मिल जाती है।

हाल ही में ओटीटी पर दिल्ली क्राइम वेब सीरीज में पुलिस अफसर बनीं शेफाली शाह ने दमदार रोल किया है। वह अपने शानदार काम की वजह से कामयाब अफसर हैं, लेकिन उन्हें ऑफिस के सभी लोग मैडम सर कहकर बुलाते हैं। एक और मूवी सोनी में भी महिला पुलिस अफसर को उनके मातहतों द्वारा मैडम सर कहकर संबोधित किया गया। कई अदालतों में महिला जजों को सर कहकर संबोधित किया जाता है। आपने भी अपने आसपास ऐसा देखा सुना होगा। कभी सोचा है कि लेडी बॉस को सिर्फ मैडम कहकर क्यों नहीं बुला सकते? अजी, मैडम के साथ सर लगाकर उस ओहदे में दम आ जाता है। ये जवाब अक्सर कइयों को कहते सुना है। मैडम भले ही काम में शानदार क्यों ना हों, भले ही उन्होंने उस पद तक पहुंचने के लिए कितने ही पुरुषों को पछाड़ा हो, लेकिन फिर भी जब वह काम हाथ में लेंगी, तो स्टाफ के मुंह से सिर्फ मैडम नहीं निकलेगा। मैडम सर या सर मैडम बोलने के बाद ही उन्हें चैन आएगा।

एक तरफ हम खुश होते हैं कि महिलाओं को बराबर का दर्जा देने के लिए हमारा समाज, सरकारें, कंपनियां कितना कुछ कर रही हैं और उसी का नतीजा है कि महिलाएं आज राजनीति से लेकर पुलिस बल, कोर्ट, अस्पताल, कॉरपोरेट ऑफिस और यहां तक कि सेना में भी हैं। उन्हें बराबरी का दर्जा देने की नीयत से कई जगह रिजर्वेशन है, लेकिन हम आज भी इस सच को दिल से कबूल नहीं कर पाए हैं। यही वजह है कि हम ऊंचे पद पर बैठी महिला को मैडम कहने के बजाय या तो सर कहने लगते हैं, या मैडम सर या फिर सर मैडम। महिलाओं को भी लगता है कि सर के नाम से संबोधन होने पर ही उन्हें सीरियसली लिया जाता है। शायद यही वजह है कि ऐसे स्टाफ को टोकने के बजाय सर मैडम या मैडम सर पुकारे जाने पर महिलाएं चुप रह जाती हैं। हालांकि पिछले साल फरवरी में दिल्ली हाई कोर्ट में एक सुनवाई के दौरान एक वकील ने जज रेखा पल्ली को सर कहकर संबोधित किया, तो जज ने उन्हें फौरन टोका कि मैं सर नहीं मैडम हूं, मुझे देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं। इस पर वकील का कहना था कि सर का संबोधन जज की कुर्सी के लिए था न कि उनके लिए। इस पर जज का कहना था कि फिर तो और गलत कहा आपने, क्योंकि इतने सालों तक भी आप अगर यही मानते हैं कि यह कुर्सी सिर्फ सर की हो सकती है मैडम की नहीं, तो यह काफी अफसोसनाक बात है।

जी हां, सारी गड़बड़ इस सोच की ही है। इसे पैट्रिआर्की सोच का नतीजा कहते हैं कि जहां कुछ पुरुष इस बात को कबूल करने के लिए प्रोग्राम्ड ही नहीं होते कि जब उनके गांव घरों की महिलाएं घर का काम, चूल्हा चौका करती हैं और उनके इशारों पर उठती बैठती हैं तो फिर ऑफिसों में वह उनकी बॉस कैसे हो सकती हैं। वे उनके ऑर्डर कैसे ले सकते हैं? काम ठीक से न करने पर महिला बॉस की डांट खाना उनके मेल ईगो को ठेस पहुंचाता है और यही वजह है कि ऊंचे पद पर बैठी महिलाओं का या तो मजाक उड़ाया जाता है, चरित्र पर उंगलियां उठाने में देर नहीं होती और सामने बातचीत करनी हो, तो मैडम के बजाय सर मैडम या मैडम सर मुंह से निकलता है। क्योंकि मैडम के ऑर्डर लेना तो उन्हें सिखाया ही नहीं गया, अब तक तो अगर मजबूरी में महिला बॉस बन ही गई हैं, तो उन्हें सर बोलने लगे ताकि ईगो को कम ठेस लगे।

यही वजह है कि कई बार ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं को अपना दबदबा बनाने के लिए अपने हाव भाव में बदलाव करने पड़ जाते हैं। जैसे अधिकतर अपने लंबे बाल कटवा कर बॉयकट कर लेती हैं, साड़ी, चूड़ी बिंदी के बजाय पैंट, ट्राउज़र पहनने लगती हैं, एग्रेसिव टोन में बोलने लगती हैं कि लोग उन्हें कमजोर न समझें, सीरियसली लें और उन्हें घूरने के बजाय काम पर ध्यान दें। हो सकता है कि सर बोलने के पीछे ऐसे पुरुषों की इंटेंशन गलत न हो, मगर क्यों न हम अपनी बोलचाल की भाषा में ऐसा बदलाव लाएं कि महिलाओं को अपने में ये बदलाव न लाने पड़ें। क्या आपको नहीं लगता कि क्या हमारी सोसायटी महिला बॉस के आगे ऐसा मामूली बदलाव ला सकती है, ताकि उसे ये सब न करना पड़े? ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

मोदी ने एकदम सही कहा था, वाकई यूपी के लिए उपयोगी सिद्ध हुए योगी

(नीरज कुमार दुबे)

योगी ने जब सत्ता संभाली थी तो सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था को सुधारना ही था। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि योगी को चूंकि मुख्यमंत्री बनने से पहले कोई प्रशासनिक अनुभव नहीं था, इसलिए वह यूपी को संभाल नहीं पाएंगे।

मोदी है तो मुमकिन है, यह नारा आपने खूब सुना होगा लेकिन योगी है तो यकीन है नारा भी उतना ही सार्थक और प्रचलित होता जा रहा है। योगी जिस तरह से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कानून का राज कायम करने में सफल हुए हैं उससे प्रधानमंत्री मोदी का वह दावा सही साबित हुआ है जिसके तहत उन्होंने योगी को यूपी के लिए उपयोगी बताया था। योगी ने अपने वादे के मुताबिक समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद और माफिया अतीक अहमद को जिस तरह मिट्टी में मिलाया है वह अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए भी प्रेरक है।

योगी ने जब सत्ता संभाली थी तो सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था को सुधारना ही था। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि योगी को चूंकि मुख्यमंत्री बनने से पहले कोई प्रशासनिक अनुभव नहीं था, इसलिए वह यूपी को संभाल नहीं पाएंगे। लेकिन योगी ने यूपी को संभाला, यूपी को सुधारा और यूपी में आगे बढ़ने का विश्वास पैदा कर प्रदेश को आगे बढ़ाया। जिस यूपी में कभी माफिया राज था, जिस यूपी में कभी माफिया और गैंगस्टर सपा-बसपा से सांसद और विधायक बन कर राज चलाया करते थे, जिस यूपी में भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार हो गया था वहां आज योगी के शासन में माफिया खुद ही कह रहे हैं कि हमको मिट्टी में मिला दिया गया है।

आज यूपी में अपराधी अगर खुद थाने में आकर आत्मसमर्पण कर रहे हैं, मुठभेड़ में मार दिये जाने के डर से जमानत लेने की बजाय जेल में पड़े रहते हैं, गाड़ी पलटने के डर से पुलिस के वाहन में बैठने से डरते हैं, पत्थरबाज अपने इरादे बदल लेते हैं, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाले जमीन छोड़ कर भागने लगते हैं और भ्रष्टाचारी अगर थर-थर कांपते हैं तो यह नारा सफल होता दिखता है कि योगी है तो यकीन है। इन बड़े-बड़े माफियाओं का यह हाल देखकर छोटे-मोटे अपराधियों का मनोबल तो पूरी तरह खत्म हो चुका है।

माफिया डॉन अतीक अहमद को ही लीजिये, उस पर सौ से ज्यादा केस दर्ज थे लेकिन हाल ही में उसे पहली बार किसी मामले में सजा हुई थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि बुलडोजर बाबा के राज से पहले सरकारें उत्तर प्रदेश में अपराधियों और आतंकवादियों का धर्म देख कर उनके खिलाफ मामले को अदालतों में आगे बढ़ाया करती थीं या उनके खिलाफ मामले वापस ले लिया करती थीं। इस सबसे पुलिस का मनोबल भी टूट जाता था लेकिन योगी राज में पुलिस का मनोबल भी बढ़ाया गया है और पुलिस बल का %बल% भी बढ़ाया गया है। आज अखिलेश यादव और असद्दुदीन ओवैसी को भले अपराधियों का मुठभेड़ में मारा जाना न्याय तंत्र का मजाक लग रहा है लेकिन उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि यूपी पुलिस अपराधियों का जिस प्रकार खात्मा कर रही है उसमें उसे जनता का पूरा समर्थन हासिल है।

आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद छोटे उद्यम

(सत्येंद्र किशोर मिश्र)

आजादी के समय भारतीय अर्थव्यवस्था गरीबी, बेरोजगारी, प्रतिव्यक्ति निम्न आय, निरक्षरता और औद्योगिक पिछड़ेपन की जकड़ में थी।स्वतंत्रता के बाद से लघु, सूक्ष्म और मझोले उद्योग एक लंबा सफर तय कर चुके हैं, पर भारत के औद्योगीकरण में एमएसएमई का योगदान कभी एक-सा नहीं रहा है। शुरुआती दशकों में एमएसएमई क्षेत्र की उच्च रोजगार क्षमता को देखते-समझते हुए भी, उनकी भूमिका को सही ढंग से पहचाना नहीं जा सका। जबकि एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए तेज और विशेष प्रयास की जरूरत थी। नए भारत में आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद एमएसएमई क्षेत्र ही बन सकता है।

आजादी के समय भारतीय अर्थव्यवस्था गरीबी, बेरोजगारी, प्रतिव्यक्ति निम्न आय, निरक्षरता और औद्योगिक पिछड़ेपन की जकड़ में थी। यह स्वीकृत तथ्य है कि औद्योगीकरण के जरिए आर्थिक विकास की मजबूत बुनियाद पर बेहतर सामाजिक-आर्थिक लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। दो हजार वर्षों से अधिक का भारतवर्ष का गौरवशाली आर्थिक संपन्नता का इतिहास दरअसल, लघु उद्योगों के रूप में उद्यमिता, हस्तशिल्प और कौशल की परंपरा ही थी।

भारत में नियोजन के शुरुआती दौर में लघु उद्योगों को नजरंदाज कर, बड़े उद्योगों के जरिए औद्योगिक विकास की कोशिशें हुईं, तो उसके अच्छे नतीजे भी दिखे। बाद में उदारीकरण तथा वैश्वीकरण के कारण बाजारवाद, निजीकरण और प्रतिस्पर्धी माहौल भी सामने आया। बड़े और भारी उद्यागों की सीमाएं भी दिखीं। गरीबी, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति के मामलों में विफल साबित हुए।

अनुकूल पूंजी-उत्पाद अनुपात तथा रोजगार की ऊंची संभावनाएं लघु उद्योगों की महत्त्वपूर्ण विशेषता है। शायद बहुत देर से औद्योगिक विकास में लघु उद्योगों की भूमिका को पहचानते हुए, इसके विकास की कोशिशें हुईं। समझना होगा कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना में इसे रफ्तार देने की जरूरत है।

लघु उद्योग, आर्थिक विकेंद्रीकरण कर आय तथा संपत्ति की असमानताओं के साथ-साथ भौगोलिक असंतुलन को कम करते हैं। उपभोक्ताओं को विविधता और विकल्प उपलब्ध कराते हैं। स्थानीय ज्ञान और कौशल, कलात्मकता का कम पूंजी के साथ उपयोग करते हैं, साथ ही बड़े उद्योगों के सहायक उद्यम का भी कार्य करते हैं। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों यानी एमएसएमई को 'विकास का इंजन' और 'अर्थव्यवस्था का पावरहाउस' जैसे विशेषणों से नवाजा जाता है। समावेशी विकास में शायद सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका एमएसएमई क्षेत्र की हो सकती है। आज भारत में सवा छह करोड़ से अधिक एमएसएमई इकाइयों में ग्यारह करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त है। एमएसएमई की जीडीपी में तीस फीसद तथा निर्यात में अड़तालीस फीसद से अधिक योगदान के साथ आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका है। एमएसएमई कुल औद्योगिक इकाइयों में पंचानबे फीसद से अधिक हिस्से के साथ भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की बुनियाद है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में एमएसएमई क्षेत्र की लगभग 6.34 करोड़ इकाइयों में से विनिर्माण क्षेत्र की इकाइयों का जीडीपी में 6.11 फीसद, सेवा क्षेत्र की इकाइयों का जीडीपी में 24.63 फीसद तथा सकल विनिर्माण उत्पादन में 33.4 फीसद योगदान है। एमएसएमई क्षेत्र ग्यारह करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करने के साथ भारत के कुल निर्यात में लगभग अड़तालीस फीसद योगदान करता है।

लगभग इक्यावन फीसद एमएसएमई इकाइयां ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं, जिनमें बड़ी संख्या में ग्रामीण कार्यबल को संयोजित होने का अवसर उपलब्ध होता है। कुल एमएमएमई उद्यमों में निन्यानबे फीसद से अधिक सूक्ष्म उद्यम हैं। समावेशी विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन में इनकी विशेष भूमिका है। भारत में विशाल असंगठित कार्यबल को देखते हुए रोजगार की दृष्टि से एमएमएमई क्षेत्र की जिम्मेदारी बढ़ जाती है।

मगर पिछले कुछ वर्षों से एमएसएमई क्षेत्र लगातार अनेक प्रकार की गंभीर समस्याएं झेल रहा है। एशियाई विकास बैंक के अनुसार कोरोना महामारी के दौरान इस क्षेत्र में रोजगार तथा विक्रय राजस्व में काफी गिरावट आई। कच्चे माल की लागतों में तीस से पचास फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि यह क्षेत्र महामारी से पूर्व के स्तर तक पहुंचने को अब भी प्रयासरत है।

अधिकांश एमएसएमई के पास लागतों में बढ़ोतरी की भरपाई करने के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं है। बावजूद इसके, एमएसएमई क्षेत्र भारत के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए औद्योगीकरण की ओर बढ़ रहा है। एमएसएमई क्षेत्र वैश्विक बाजार, डिजिटल कौशल विकास तथा किफायती उद्यम प्रौद्योगिकी के माध्यम से वैश्विक प्रतिस्पर्धी बाजार में खुद को स्थापित करने को तत्पर है।

एमएसएमई क्षेत्र का विकास भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी जरूरत है, जो इसे वैश्विक आर्थिक संकटों तथा प्रतिकूलताओं को झेलने में ताकत तथा जुझारूपन प्रदान करता है। देश भर में इक्यावन फीसद एमएसएमई इकाईयां ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और बाकी उनचास फीसद नगरीय क्षेत्रों में स्थित हैं। यानी, लगभग सवा तीन करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में तथा शेष 3.09 करोड़ इकाइयां नगरीय क्षेत्र में स्थापित हैं।

सर्वाधिक 2.3 करोड़ एमएसएमई इकाइयां व्यापार में लगी हुई हैं। विनिर्माण क्षेत्र में लगभग 1.97 करोड़ एमएसएमई इकाइयां उत्पादक कार्यों के माध्यम से अर्थव्यवस्था के औद्योगिक विकास में योगदान कर रही हैं। इस क्षेत्र की अस्सी फीसद इकाइयां पुरुषों के स्वामित्व में हैं और इसके मात्र पांचवें हिस्से का स्वामित्व महिलाओं के पास है।

एमएसएमई इकाइयों में से लगभग आधे पर स्वामित्व ग्रामीण तथा नगरीय दोनों क्षेत्रों में अन्य पिछड़े वर्ग का है, जबकि अन्य के स्वामित्व में लगभग एक तिहाई है। अनुसूचित जाति के स्वामित्व में 12.45 फीसद तथा अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व में मात्र 4.10 फीसद एमएसएमई इकाइयां हैं। सबसे खराब स्थिति अनुसूचित जनजाति की है, विशेषकर नगरीय क्षेत्र में मात्र 1.43 फीसद एमएसएमई इकाइयों का मालिकाना हक यानी उनका संचालन अनुसूचित जनजाति के हाथों में हैं।

एमएसएमई इकाइयों के बढ़ते आकार के साथ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा ओबीसी का हिस्सा घटता हुआ है। मध्यम आकार की एमएसएमई इकाइयों में ओबीसी का स्वामित्व 23.85 फीसद, अनुसूचित जनजाति का 1.09 फीसद तथा अनुसूचित जनजाति का अमूमन शून्य है। सूक्ष्म तथा लघु एमएसएमई के जरिए औद्योगीकरण को बढ़ावा देकर न केवल असंगठित क्षेत्र में रोजगार की दशा और दिशा सुधारी जा सकती है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक असमानता को भी कम किया जा सकता है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण तथा एमएसएमई वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 के आंकड़ों के अनुसार, एमएसएमई क्षेत्र में कुल 11.10 करोड़ रोजगार में से विनिर्माण में 3.6 करोड़, व्यापार में 3.88 करोड़ तथा अन्य क्षेत्रों में 3.62 करोड़ लोग रोजगार में लगे हैं। अनुमानत~ 6.31 करोड़ सूक्ष्म उद्यमों में 10.8 करोड़ व्यक्ति कार्यरत हैं, जो उद्योग में कुल रोजगार का लगभग सत्तानबे फीसद है। एमएसएमई क्षेत्र की 3.31 लाख लघु तथा 0.05 लाख मध्यम आकार की इकाइयों में क्रमश~ 32 लाख (2.88 फीसद) तथा 1.8 लाख (0.16 फीसद) लोगों को रोजगार प्राप्त है।

एमएसएमई क्षेत्र में नगरों में प्राप्त रोजगार की कुल संख्या 6.12 करोड़ है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की संख्या 4.98 करोड़ से अधिक है। एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार का वितरण लिंगानुसार देखने पर पता चलता है कि तीन चौथाई से अधिक, 8.5 करोड़ पुरुषों को एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार प्राप्त है, जबकि 2.7 करोड़ महिलाओं को, जो कि इस क्षेत्र में कुल श्रमबल के एक चौथाई से कम हैं।

वर्ग पहेली 4978

1	2	3	4	■	5	6	■
7				■	8		9
10		■	11	12			
■		■	13		■		■
14		■	15		■	16	17
■	18	19		■	20	■	
21	■		■	22		23	
24					■	25	

संकेत: बाएं से दाएं

1. ब्रिटेन ने इस देश को 29 अगस्त 1945 को जापान से मुक्त किया (4)
5. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
7. विवाह के पूर्व की एक रस्म (4)
8. नितांत अंतिम, छोरस्थ, पराकाष्ठात्मक (3)
10. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
11. लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने अपना सरगमी सफर इस फिल्म से शुरू किया (5)
13. जंगल, अरण्य, कानन (2)
14. ईर्ष्या, जलन, खुन्नस, रश्क (2)
15. भय, खौफ, दहशत (2)
16. भास्कर, दिनपति, दिवाकर (2)
18. प्रशस्ति स्तंभ, धौलहरा, लाट (3)
22. जो रिश्तें में नाना का पिता हो (4)
24. 1948 में प्रदर्शित आग वह पहली फिल्म थी जिसमें अभिनेता के साथ-साथ निर्माता-निर्देशक के रूप में भी ये अभिनेता सामने आए (5)
25. घोड़ों द्वारा खींचकर ले जानी वाली सवारी का चलन प्राचीनकाल में था (2)

ऊपर से नीचे

1. जल्दी-जल्दी और लंबी-लंबी सांसे लेना (3)
2. अनर्थ बोध, बदगुमानी, भ्रांत धारणा (6)
3. मालवी में प्याज को यह कहते है (2)
4. बारूद को अंग्रेजी में यह कहा जाता है (6)
5. पुनरागत, लौटा हुआ, प्रतिगत, शेखर पुरोहित अलका अभिनीत 1969 की फिल्म (3)
6. दायित्व, कार्यभार, जिम्मा (5)
9. नगीना, रत्न (2)
12. दौड़ने वाला, धावक (3)
17. पूरे संसार का स्वामी होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
19. मुलायम, मृदु, कोमल (3)
20. सूती धागा, रज्जू (2)
21. पुराणानुसार कामाक्षी का चौथा रूप, शब्द ब्रह्म, परमार्थ का कराने वाली विद्या (2)
22. किंतु, परंतु, पंख, डैना (2)
23. नारी का अपभ्रंश, मोटा रस्सा (2)

वर्ग पहेली 4977 का हल

आ	बि	दा	सु	ल्ता	न	■	ट
ज	ज	■	ख	■	या	चि	का
त	ली	■	दा	य	रा	■	■
क	■	त	य	■	स्ता	व	क
■	अ	ट	क	ल	■	न	र
लू	■	व	■	क्ष्य	■	गो	वा
■	फु	र्ती	ला	■	ना	च	■
जा	ट	■	भ	र	ता	र	■

आज का राशिफल

मेष

आज राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास का योग अच्छा है। नौकरीपेशा जातकों के अधिकारियों के साथ संबंध मजबूत होंगे। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

वृषभ

आज खर्च भी बढ़ेंगे। सेहत का ध्यान रखें। स्वास्थ्?य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में बदलाव के साथ तरक्की के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। परिवार की समस्याएं बढ़ सकती है।

मिथुन

सेहत का ध्यान रखें। स्वास्थ्?य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में बदलाव के साथ तरक्की के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। परिवार की समस्याएं बढ़ सकती है। शैक्षिक कार्यों में मनवांछित परिणाम मिलने की उम्मीद है।

कर्क

आज किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। खर्चों की बढ़ोतरी से मन चिंतित रहेगा। परिश्रम अधिक रहेगा। आत्मसंयत रहें। जीवनसाथी से मनमुटाव हो सकता है। माता-पिता का सहयोग मिलेगा।

सिंह

आज नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। परिवार से दूर रहना भी पड़ सकता है। कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। परिवार के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। व्यर्थ के झगड़े और विवादों से दूर रहें।

कन्या

आज परिवार में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी कारोबारी मित्र से भेंट हो सकती है। धैर्यशीलता में कमी रहेगी। बातचीत में संयत रहें।

तुला

आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में व्यर्थ की भागदौड़ हो सकती है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों में सावधानी बरतें। मित्र का सहयोग मिल सकता है।

वृश्चिक

आज कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। किसी मित्र के सहयोग से भवन या सम्पत्ति से धन की प्राप्ति? हो सकती है। नौकरी में तरक्की के योग हैं।

धनु

आज सेहत का ध्यान रखें। माता का सानिध्य मिल सकता है। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्?य का ध्यान रखें। बातचीत में सन्तुलित रहें। मानसिक शान्ति रहेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। पिता को स्वास्थ्?य विकार रहेंगे।

मकर

आज व्यर्थ की परेशानियों से चिंतित रहेंगे। कारोबार में वृद्धि हो सकती है, परन्तु कुछ कठिनाइयां अभी बनी रहेंगी। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति? हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

कुंभ

आज परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। खर्च बढ़ेंगे। माता-पिता का सानिध्य मिल सकता है। स्वास्थ्?य के प्रति सचेत रहें। आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं। किसी सम्पत्ति पर भाई-बहनों से विवाद की स्थिति बन सकती है।

मीन

आज मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा।

27 हजार कर्मचारियों को निकालने का फैसला बहुत कठिन था, कंपनी के उतार-चढ़ाव पर बोले सीईओ जेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन सीईओ एंडी जेसी ने 27 हजार कर्मचारियों को बाहर निकलने के फैसलों को कठिन बताया है। उनका मानना है कि इस फैसले से कंपनी को लंबे समय में फायदा मिलेगा। दरअसल, सीईओ जेसी ने अपने सभी शेयर धारकों को एक पत्र लिखा है।

पत्र में उन्होंने कंपनी के उतार-चढ़ाव का जिक्र किया है। पत्र के माध्यम से जेसी ने कहा कि पूर्व में कंपनी ने काफी चुनौतीपूर्ण समय देखा है। उनका सामना किया है। सीईओ का कहना है कि उन्हें विश्वास है कि कॉस्ट कटिंग से हमें फायदा होगा। उन्होंने कहा कि 27 हजार कर्मचारियों को बाहर निकालने का फैसला बहुत कठिन था, लेकिन इससे कंपनी को लंबे दौर में फायदा जरूर होगा।

अच्छे रिटर्न की कोशिश

पिछले कई महीनों में हमने कंपनी पर काफी ज्यादा ध्यान दिया। नए-नए आविष्कार किए। हमने इसपर ध्यान दिया कि क्या हमें लंबे समय में अधिक राजस्व, आय, निवेश पर रिटर्न मिलेगा या नहीं। जेसी ने कहा कि इस वजह से हमें बुकस्टोर, 4 सितारा स्टोर जैसे संस्थान बंद करने पड़े। कंपनी के विकास के लिए हमें अमेजन फैब्रिक और अमेजन केयर को बंद करना पड़ा। अच्छे रिटर्न के लिए हमने कुछ नई चीजों को अपनाने की कोशिश की।

नई चीजों में निवेश की कोशिश

पत्र के माध्यम से सीईओ ने कहा कि हमने पहले प्राथमिकता तय की कि हम अपने संसाधनों को कहां कैसे खर्च करें। इसी वजह से हमें 27 हजार कॉर्पोरेट पद खत्म करने पड़े। पिछले कई महीनों में हमने अपनी लागत को सही करने के लिए कई सारे बदलाव किए। अब हम अलग-अलग टीमों के नेतृत्व में अपने काम का मूल्यांकन करेंगे और तय करेंगे कि हम कहां जा रहे हैं। सीईओ ने कहा कि अमेजन कर्मचारियों को भर्ती करता रहेगा। सीईओ ने कहा कि अमेजन अब एक नई चीजों में निवेश कर रहा है। जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जो लंबे समय में अच्छा रिटर्न देंगी। जिस तरह ओपन एआई के चैट जीपीटी ने सिलिकॉन वैली को आकर्षित किया।

वीवो ग्रेटर नोएडा में करेगी 1100 करोड़ का निवेश, अगले साल तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मार्टफोन बनाने वाली वीवो ग्रेटर नोएडा में अपनी विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने पर 1,100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे अगले साल तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

कंपनी ने कहा, परियोजना पूरी होने के बाद यहां से 12 करोड़ मोबाइल फोन का निर्माण हो सकेगा। इसने कहा कि इस साल में वह भारत में बने 10 लाख मोबाइल फोन का निर्यात करने की योजना पर काम कर रही है। पिछले साल इसने पहली खेप सऊदी अरबिया और थाईलैंड में भेजी थी। इस साल के अंत तक कंपनी अपने 7,500 करोड़ के निवेश के पहले चरण के रूप में 3,500 करोड़ रुपये को पूरा करेगी जिसमें 2,400 करोड़ रुपये का निवेश पहले ही कर चुकी है।

देश की कंपनियों का राजस्व चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान आधा रह सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में कहा है कि इस दौरान कंपनियों के राजस्व में 10-12 फीसदी की वृद्धि हो सकती है, जो 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में 22.8 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 10 फीसदी कम रह सकती है। क्रिसिल ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में इन कंपनियों का राजस्व 19-21 फीसदी तक बढ़ सकता है जो 2021-22 के पूरे साल में 27 फीसदी की दर से बढ़ा था। इनके परिचालन मार्जिन में तीन फीसदी की गिरावट आ सकती है। क्रिसिल ने 47 सेक्टर की कुल 300 कंपनियों की रिपोर्ट के आधार पर यह जानकारी दी है।

बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सिर्फ भारत मंदी से अछूता, एक उद्यमी के लिए देश में ज्यादा अवसर मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जिरोधा के को-फाउंडर निखिल कामत ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर कहा कि कारोबार के लिहाज से यह साल नहीं, बल्कि पूरा दशक भारत का है।

कामत ने ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा कर कहा कि सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सिर्फ भारत है, जो मंदी की आशंका से अछूता है। इसमें बताया गया है कि ब्रिटेन में इस साल मंदी आने की आशंका 75 फीसदी है। इसी तरह न्यूजीलैंड में 70 प्रतिशत, अमेरिका में 65 प्रतिशत, जर्मनी, इटली और कनाडा में 60 प्रतिशत, फ्रांस में 50, दक्षिण अफ्रीका में 45, ऑस्ट्रेलिया में 40, रूस में 35.5, जापान में 35 दक्षिण कोरिया में 30, मेक्सिको में 27.5, स्पेन में 25, स्विट्जरलैंड में 20, ब्राजील में 15, चीन में 12, सऊदी अरब में पांच, इंडोनेशिया में दो और भारत में मंदी की आशंका 0 फीसदी है।

कारोबार शुरू करने वाली शीर्ष चार अर्थव्यवस्थाओं में भारत

कामत कहते हैं कि मेरे कई दोस्त जो अमेरिका में फैंसी कॉलेजों से स्नातक किए हैं, वे अब भारत से कुछ शुरू करने सोच रहे हैं। एक उद्यमी के लिए भारत में बहुत अवसर मौजूद हैं। ग्लोबल आंतरप्रेन्योरशिप मॉनिटर 2021-22 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत कारोबार शुरू करने वाली शीर्ष चार अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

अमेरिका के 200 संगठन चीन से भारत आने का कर रहे विचार : एक सर्वे में 2,000 से ज्यादा उत्तरदाताओं में से लगभग 83 प्रतिशत ने भारत को स्टार्ट-अप गंतव्य के रूप में चुना है। रिपोर्ट में भारत को विभिन्न पैमाने पर शीर्ष स्टार्ट-अप परिवेश के रूप में स्थान दिया गया है। इसमें आसानी से फंड जुटाने, आसान कर नीतियां आदि शामिल हैं। अमेरिका के 200 से ज्यादा संगठन अपने आधार चीन से भारत ले जाने पर विचार कर रहे हैं।

एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट का उत्पादन शुरू करने की घोषणा की

चंडीगढ़ । एमजी मोटर इंडिया ने अपने स्मार्ट इलेक्ट्रिक वाहन - कॉमेट का उत्पादन शुरू करने की घोषणा की है, और गुजरात में हलोल प्लांट से इसकी पहली यूनिट सड़क पर उतार दी गई है। विश्वप्रसिद्ध जीएसईवी प्लेटफॉर्म पर आधारित, एमजी कॉमेट में इनोवेटिव और भविष्य की डिज़ाईन लैंग्वेज़ है, जो सभी का ध्यान आकर्षित करेगी। जीएसईवी प्लेटफॉर्म की मुख्य विशेषताओं में से एक है इसकी बहुमुखी उपयोगिता और केबिन में विशाल जगह। इसलिए यह शहरी कम्युटर्स के लिए उत्तम है। यह प्लेटफॉर्म उपयोग को आसान बनाने पर ध्यान केंद्रित करके विकसित किया गया है, जो भीड़ भरी सड़कों पर सुगम मैन्योवरिंग और आसानी से पार्क करने की क्षमता प्रदान करता है। जीएसईवी प्लेटफॉर्म पर बने वाहन विश्व के बाजारों में बहुत सफल रहे हैं, और अभी तक इनकी 1 मिलियन से ज्यादा यूनिट्स बेची जा चुकी हैं। जीएसईवी प्लेटफॉर्म के लिए सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें ठोस स्टील का ढांचा वाहन की बॉडी के लिए बहुत मजबूत आधार प्रदान करता है, और एयरबैग्स यात्रियों की अधिकतम सुरक्षा प्रदान करते हैं। एमजी कॉमेट में सुरक्षा का स्तर और ज्यादा बढ़ गया है। इसमें पूरी व्हाईट बॉडी में फैले 17 हॉट स्टैंपिंग पैनल हैं, जिससे वाहन की सुरक्षा और ज्यादा मजबूत बन जाती है। पहला प्रोडक्शन कॉमेट वाहन सड़क पर उतारने के बारे में बीजू बालेंद्रन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एमजी मोटर इंडिया ने कहा कि नीलसन द्वारा हाल ही में किए गए अर्बन मोबिलिटी हैप्पीनेस सर्वे में सामने आया कि आवागमन के मामले में शहरी कम्युटर्स की पसंद कॉम्पैक्ट स्मार्ट वाहनों की ओर है। एमजी में हम इनोवेटिव और सस्टेनेबल मोबिलिटी समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमजी कॉमेट के साथ हम भविष्य का एक व्यवहारिक अर्बन इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेंगे, जिसमें ड्राईविंग को मजेदार बनाने वाली अनेक विशेषताएं होंगी। प्रोडक्शन श्रृंखला से बाहर आने वाले पहले कॉमेट वाहन के साथ हमें भारत के एक नए ईवी भविष्य की शुरुआत करने की खुशी है।

भारत की बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली पर वैश्विक संकट का असर नहीं: शक्तिकांत दास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत की वित्तीय प्रणाली अमेरिका और स्विट्जरलैंड के हालिया घटनाक्रमों से पूरी तरह अछूती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर ने गुरुवार को वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और स्विट्जरलैंड में बैंकिंग प्रणाली में हालिया घटनाक्रमों ने वित्तीय स्थिरता और बैंकिंग क्षेत्र की स्थिरता के महत्व को एक बार फिर उजागर किया है।

शक्तिकांत दास केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में शामिल होने के लिए वाशिंगटन पहुंचे थे। सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने से संबंधित एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका और स्विट्जरलैंड में बैंकों की विफलताओं से जुड़ी घटनाक्रमों ने स्वाभाविक रूप से पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा, जहां तक भारत का सवाल है, भारतीय बैंकिंग प्रणाली, भारतीय वित्तीय प्रणाली अमेरिका या स्विट्जरलैंड में हुए घटनाक्रमों से पूरी तरह अछूती है। हमारी बैंकिंग प्रणाली लचीली, स्थिर और स्वस्थ है।

उन्होंने कहा, बैंकिंग से संबंधित मापदंड, चाहे वह पूंजी पर्याप्तता हो, तनावग्रस्त परिसंपत्तियों का प्रतिशत हो, व्यक्तिगत और प्रणालीगत स्तर पर अलग-अलग बैंकों की तरलता का कवरेज अनुपात हो या प्रावधान कवरेज अनुपात, बैंकों के शुद्ध ब्याज मार्जिन का मामला हो या बैंकों की लाभप्रदता इन सभी पैरामीटर पर भारतीय बैंकिंग प्रणाली अब भी बहुत स्वस्थ बनी हुई है। शक्तिकांत दास ने कहा कि जहां तक भारतीय रिजर्व बैंक का सवाल है, पिछले कुछ वर्षों में हमने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों सहित पूरी बैंकिंग प्रणाली के अपने विनियमन और पर्यवेक्षण में काफी सुधार किया और सख्ती बरती है। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि निगरानी (नियामकों) का फोकस कमजोरियों की जल्द से जल्द पहचान करने पर होना चाहिए, न कि संकट के बढ़ने का इंतजार करने पर।

इंफोसिस को हुआ बंपर मुनाफा, निवेशकों को कर दिया गदगद

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंफोसिस ने आज यानी 13 अप्रैल 2023 को अपने मार्च 2023 तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी को बंपर मुनाफा हुआ है। कंपनी ने प्रॉफिट कमाने के साथ निवेशकों को भी खुशखबरी दी है। कंपनी ने निवेशकों के लिए डिविडेंड का ऐलान किया है। इंफोसिस निवेशकों को हर शेयर पर 17.50 रुपये का डिविडेंड देगी। इंफोसिस की ओर से जनवरी-मार्च तिमाही के जारी किए गए नतीजों में कंपनी का नेट प्रॉफिट 8 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ 6128 करोड़ रुपये हो गया है। राजस्व की बात करें तो यह साल-दर-साल 16 फीसदी बढ़कर 37,441 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी की इनकम भी बढ़ी है। यह मार्च तिमाही में 16 फीसदी बढ़कर 37,441 करोड़ रुपये रही है। हालांकि तिमाही आधार पर कंपनी का कंसॉलिडेटेड प्रॉफिट दिसंबर 2022 तिमाही से कम रहा है। दिसंबर 2022 तिमाही में देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 6586 करोड़ रुपये था।

इंफोसिस ने नतीजों की घोषणा करने के साथ निवेशकों को डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। इंफोसिस के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2023 के लिए 17.50 रुपये प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। डिविडेंड के लिए 2 जून 2023 की रेकॉर्ड डेट तय की गई है। योग्य शेयरधारकों के खाते में 3 जुलाई 2023 तक डिविडेंड का अमाउंट ट्रांसफर कर दिया जाएगा। इंफोसिस के ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन में तिमाही और सालाना आधार पर 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह इस बार 21 फीसदी रहा है। कॉन्सटैंट करेंसी पर कंपनी का रेवेन्यू दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 8.8 फीसदी और पूरे वित्त वर्ष में 15.4 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी के मुताबिक, दिसंबर तिमाही में 24.3 फीसदी और 27.7 प्रतिशत की तुलना में मार्च तिमाही में नौकरी छोड़ने की दर गिरी है। यह अब 20.9 प्रतिशत हो गई है।

इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक ने एफडी पर ब्याज दरों में किया इजाफा, 9 फीसदी तक रिटर्न पाने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में ज्यादातर लोग एफडी में निवेश करना पसंद करते हैं। एफडी में निवेश के कई फायदे हैं। इसमें निवेश की गई रकम पूरी तरह सुरक्षित रहती है। अगर आप भी एफडी कराने की सोच रहे हैं तो आपके पास शानदार मौका है। इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक ने एफडी पर ब्याज दरों में इजाफा किया है। बैंक अब एफडी पर 9 फीसदी का शानदार ब्याज दे रहा है। नई ब्याज दरें 11 अप्रैल 2023 से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने 7 दिन से 10 साल तक के टेन्योर पर निवेश का मौका दे रहा है। बता दें कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बीते महीनों में कई बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की गई है। रेपो रेट में इजाफ के बाद बैंक भी एफडी पर इंट्रस्ट रेट में इजाफा कर रहे हैं। इसी क्रम में अब इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भी एफडी पर ब्याज दरों को बढ़ा दिया है।

ये हैं एफडी की ब्याज दरें

इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक में वरिष्ठ नागरिकों को 888 दिनों में मेच्योर होने वाली एफडी स्कीम पर 9 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी। वहीं, सेम टेन्योर पर सामान्य नागरिकों को बैंक 8.5 फीसदी ब्याज दर दे रही है। 7 दिन से 29 दिन के बीच मैच्योर होने वाली एफडी पर 3.5 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। 30 दिन से 45 दिन के बीच मैच्योर होने वाले फिक्स्ड डिपॉजिट पर निवेशकों को 4 फीसदी का ब्याज मिलेगा। 46 दिनों से 90 दिनों के बीच मेच्योर होने वाली एफडी के लिए 4.5 फीसदी की ब्याज दर देगा। एक साल और 18 महीने में मैच्योर होने वाली फिक्स्ड डिपॉजिट पर 8.20 फीसदी की ब्याज दर दे रहा है। 18 महीने और एक दिन से दो साल अवधि की एफडी पर 7.75 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी।

सीनियर सिटीजन को फायदा

दो साल और एक दिन और तीन साल के बीच मेच्योर होने वाली एफडी के लिए 8 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी। तीन साल और एक दिन से चार साल की एफडी पर 7.5 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी। चार साल और एक दिन से 10 साल में परिपक्व होने वाली सावधि जमा के लिए 7.25 प्रतिशत की ब्याज दर दे रहा है। 888 दिन में मेच्योर होने वाली एफडी पर इक्वाटॉस बैंक 8.5 फीसदी ब्याज दर दे रहा है।

कमजोर हाजिर मांग से कच्चे तेल का वायदा भाव में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को कच्चा तेल की कीमत 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,806 रुपये प्रति बैरल हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का अप्रैल माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध नौ रुपये या 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,806 रुपये प्रति बैरल हो गया। इसमें 7,635 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 83.28 डॉलर प्रति बैरल हो गया जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 0.08 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता 87.26 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

इस साल रॉकेट बनने वाला है सोना, दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों में मची होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंबल-एयू एटॉमिक नंबर- 79, हम बात कर रहे हैं गोल्ड की। 2022 इस किंग ऑफ मेटल के लिए एक आउटपरफॉर्मिंग साल रहा। इस साल भी सोने की कीमतों में तेजी थमने का नाम नहीं ले रही है। क्या सोने में यह तेजी आगे भी जारी रहेगी? आइए जानते हैं। अगर महंगाई बरकरार रहती है और सेंट्रल बैंक आगे ब्याज दरों को बढ़ाने में असमंजस की स्थिति में रहते हैं, तो सोने की कीमतों में साल 2023 में अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इसके अलावा, जिस तरह से हाल ही में अमेरिका और यूरोप में बैंकिंग संकट उभरा है, उससे सोने में भारी निवेश देखने को मिल सकता है। सेंट्रल बैंक्स की बात करें, तो वे गोल्ड में लंबे समय तक निवेश करने के मूड में हैं। अब तक खनन किये गए सोने का लगभग पांचवां हिस्सा केवल सेंट्रल बैंक्स के पास है।

पिछले साल दुनियाभर के सेंट्रल बैंक्स ने 1136 टन गोल्ड खरीदा था। उन्होंने 1967 के बाद से यह सबसे तेज गति से सोना खरीदा था। साल 2022 की आखिरी तिमाही में उन्होंने 417 टन गोल्ड खरीदा। साथ ही दूसरी छमाही में उन्होंने 862 टन गोल्ड खरीदा था। तुर्की, भारत, उज्बेकिस्तान और कई अन्य उभरते बाजार सबसे बड़े खरीदार थे। चीन, जिसने हाल ही में स्वर्ण भंडार पब्लिश करना शुरू किया है, वह भी खरीदार बना हुआ है। किटको की रिपोर्ट के मुताबिक, पीबीओसी ने इस खरीदारी चक्र में 102 टन सोना खरीदा है।

सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के एमडी अमित पबारी के अनुसार, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार सेंट्रल बैंकों के सोना खरीदने के पीछे दो प्रमुख कारण है। पहला- इसकी संकट के समय परफॉर्मेंस काफी अच्छी है। दूसरा- धन को लंबे समय तक स्टोर कर रखने का इसका गुण। हम 2023 में भी कई वैश्विक आर्थिक संकट देख रहे हैं। ऐसे में दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों से सोने की मांग बनी रहने की संभावना है। इसके अलावा, घाना जैसा देश ईंधन के लिए सोने की अदला-बदली के लिए दुबई के तेल रिफाइनर से बात कर रहा है। आगे हम कई दूसरे देशों को भी सोने के साथ वस्तुओं का आदान-प्रदान करते देख सकते हैं। यह पेट्रोडॉलर सिस्टम के लिए एक रिस्क है।

उभरते बाजारों के केंद्रीय बैंकों के पास उनके भंडार का औसतन दो-तिहाई डॉलर एसेट्स या करेंसीज होती हैं और 5 फीसदी से कम गोल्ड होता है। अब संभवत- वे इस रेश्यो को बदलना चाहते हैं। वे डॉलर की कम और गोल्ड की ज्याजा होल्डिंग चाहते हैं। आरबीआई की एफएक्स रिजर्व होल्डिंग्स में इसे देखा जा सकता है। पिछले 5 वर्षों में आरबीआई ने अपनी डॉलर होल्डिंग में लगातार कमी की है और गोल्ड वेटेज को 5.06 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.86 प्रतिशत कर दिया है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, भारत के पास दुनिया के कुल स्वर्ण भंडार का 8 प्रतिशत है। मात्रा के हिसाब से देखें, तो पहली तिमाही में भारत का कुल स्वर्ण भंडार 760.42 टन, क्यू2 2022 में 767.89 टन, क्यू3 2022 में 785.35 टन और क्यू4 में 787.40 टन था। इसलिए आरबीआई की गोल्ड खरीदारी 2023 में भी जारी रह सकती है। हम भारत के गोल्ड रिजर्व में इस साल 10 से 12 फीसदी उछाल देख सकते हैं।

महंगाई से मिल सकती है राहत, गैस स्टोव, पेन, टूथ पेस्ट, कंप्यूटर समेत सस्ती हो सकती हैं कई चीजें

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनावी साल में जीएसटी की दरों में बदलाव करने और आम आदमी को राहत देने की कवायद शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार जीएसटी की फिटमेंट कमेटी ने दरों को कम करने पर विचार और चर्चा शुरू कर दी है। उन चीजों पर जीएसटी की दरें कम किए जाने को प्राथमिकता दी जाएगी, जो आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरत से जुड़ी हुई हैं। इनमें गैस लाइटर, गैस स्टोव, पेन, हेयर ऑयल, प्रसाधन आइटम्स, टूथ पेस्ट, कंप्यूटर और प्रिंटर शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार फिटमेंट कमिटी जल्द ही इस पर अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे देगी। उसके बाद जीएसटी काउंसिल को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। जीएसटी काउंसिल की बैठक मई के दूसरे हफ्ते में हो सकती है। उस बैठक में इस रिपोर्ट में अंतिम फैसला लिया जा सकता है। एक सीनियर अफसर का कहना है कि आर्थिक गतिविधियों में रफ्तार जारी है। जीएसटी कलेक्शन भी सही लेवल पर आ चुका है। ऐसे में अब जीएसटी की दरों में बदलाव को लेकर कदम उठाए जा सकते हैं। हालांकि, अंतिम फैसला राज्यों की सहमति के बाद लिया जाएगा। अगर रोजमर्रा की चीजों पर जीएसटी की दरें कम होती है तो उम्मीद है कि राज्यों को इसमें कोई दिक्कत नहीं होगी।

जीएसटी टैक्स एक्सपर्ट निखिल गुप्ता का कहना है कि इसकी दरों को तर्कसंगत करने के पीछे का मकसद जीएसटी टैक्स स्ट्रक्चर को सरल बनाना होता है। इससे कलेक्शन बढ़ सकता है। पिछले अनुभव ने यह साबित किया है कि दरों में कमी के बावजूद कलेक्शन में बढ़ोतरी सबसे अधिक रही है। इकोनॉमिस्ट इस बारे में लाफर कर्व का उल्लेख करते हैं। इस अवधारणा के मायने हैं कि सरकार के पास ऐसे अवसर होते हैं, जिनमें टैक्स रेट को कम करके कलेक्शन बढ़ाए जा सकते हैं। हाल के महंगाई के आंकड़ों से पता चलता है कि रिटेल महंगाई से छह फीसदी नीचे चला गया है। महंगाई दर में कमी का सहारा लेने का यह एक उपयुक्त समय प्रतीत होता है। इकॉनमी में सबसे प्रमुख है लोगों की खरीददारी। टैक्स रेट कम होंगे तो चीजें सस्ती होंगी लिहाजा खरीदारी बढ़ेगी और आर्थिक विकास होगा।

धन, धान्य, सुख, ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए पढ़ें श्री लक्ष्मी सूक्त पाठ

श्री लक्ष्मीसूक्तम पाठ

पद्मानने पद्मिनि पद्मपत्रे पद्मप्रिये पद्मदलायताक्षि।
विश्वपरिये विश्वमनोनुकूले त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधत्स्व।
हे लक्ष्मी देवी! आप कमलमुखी, कमल पुष्प पर विराजमान, कमल-दल के समान नेत्रों वाली, कमल पुष्पों को पसंद करने वाली हैं। सृष्टि के सभी जीव आपकी कृपा की कामना करते हैं। आप सबको मनोनुकूल फल देने वाली हैं। हे देवी! आपके चरण-कमल सदैव मेरे हृदय में स्थित हों।

पद्मानने पद्मऊरू पद्माक्षी पद्मसम्भवे।
तन्मे भजसिं पद्माक्षि येन सौख्यं लभाम्यहम।।
हे लक्ष्मी देवी! आपका श्रीमुख, ऊरु भाग, नेत्र आदि कमल के समान हैं। आपकी उत्पत्ति कमल से हुई है। हे कमलनयनी! मैं आपका स्मरण करता हूँ, आप मुझ पर कृपा करें।

अश्वदायी गोदायी धनदायी महाधने।
धनं मे जुष तां देवि सर्वाकामांश्च देहि मे।
हे देवी! अश्व, गौ, धन आदि देने में आप समर्थ हैं। आप मुझे धन प्रदान करें। हे माता! मेरी सभी कामनाओं को आप पूर्ण करें।

पुत्र पौत्र धनं धान्यं हस्त्यश्वादिगवेरथम।
प्रजानां भवसी माता आयुष्मंतं करोतु मे।
हे देवी! आप सृष्टि के समस्त जीवों की माता हैं। आप मुझे पुत्र-पौत्र, धन-धान्य, हाथी-घोड़े, गौ, बैल, रथ आदि

प्रदान करें। आप मुझे दीर्घ-आयुष्य बनाएँ।

धनमाग्नि धनं वायुर्धनं सूर्यो धनं वसु।
धन मिंद्रो बृहस्पतिर्वरुणां धनमस्तु मे।
हे लक्ष्मी! आप मुझे अग्नि, धन, वायु, सूर्य, जल, बृहस्पति, वरुण आदि की कृपा द्वारा धन की प्राप्ति कराएँ।

वैनतेय सोमं पिव सोमं पिवतु वृत्रहा।
सोमं धनस्य सोमिनो महृयं ददातु सोमिन:।
हे वैनतेय पुत्र गरुड़! वृत्रासुर के वधकर्ता, इंद्र, आदि समस्त देव जो अमृत पीने वाले हैं, मुझे अमृतयुक्त धन प्रदान करें।

न क्रोधो न च मात्सर्यं न लोभो नाशुभामति:।
भवन्ति कृतपुण्यानां भक्तानां सूक्त जापिनाम।।
इस सूक्त का पाठ करने वाले की क्रोध, मत्सर, लोभ व अन्य अशुभ कर्मों में वृत्ति नहीं रहती, वे सत्कर्म की ओर प्रेरित होते हैं।

सरसिजनिलये सरोजहस्ते धवलतरांशुक गंधमाल्यशोभे।
भगवति हरिवल्लभे मनोज्ञे त्रिभुवनभूतिकरी प्रसीद महृयम।।
हे त्रिभुवनेश्वरी! हे कमलनिवासिनी! आप हाथ में कमल धारण किए रहती हैं। श्वेत, स्वच्छ वस्त्र, चंदन व माला से युक्त हे विष्णुप्रिया देवी! आप सबके मन की जानने वाली हैं। आप मुझ दीन पर कृपा करें।

विष्णुपत्नीं क्षमां देवीं माधवीं माधवप्रियाम।
लक्ष्मीं प्रियसखीं देवीं नमाम्यच्युतवल्लभाम।
भगवान विष्णु की प्रिय पत्नी, माधवप्रिया, भगवान अच्युत की प्रेयसी, क्षमा की मूर्ति, लक्ष्मी देवी मैं आपको बारंबार नमन करता हूँ।

महादेव्यै च विद्महे विष्णुपत्न्यै च धीमहि।
तन्नो लक्ष्मी: प्रचोदयात
हम महादेवी लक्ष्मी का स्मरण करते हैं। विष्णुपत्नी लक्ष्मी हम पर कृपा करें, वे देवी हमें सत्कार्यों की ओर प्रवृत्त करें।

चंद्रप्रभां लक्ष्मीमेशानीं सूर्याभांलक्ष्मीमेश्वरीम।
चंद्र सूर्याग्निसंकाशां श्रिय देवीमुपास्महे।
जो चंद्रमा की आभा के समान शीतल और सूर्य के समान परम तेजोमय हैं उन परमेश्वरी लक्ष्मीजी की हम आराधना करते हैं।

श्रीर्वर्चस्वमायुष्यमारोग्यमाभिधाच्छ्रोभमानं महीयते।
धान्य धनं पशु बहु पुत्रलाभम सत्संवत्सरं दीर्घमायु:।
इस लक्ष्मी सूक्त का पाठ करने से व्यक्ति श्री, तेज, आयु, स्वास्थ्य से युक्त होकर शोभायमान रहता है। वह धन-धान्य व पशु धन सम्पन्न, पुत्रवान होकर दीर्घायु होता है।

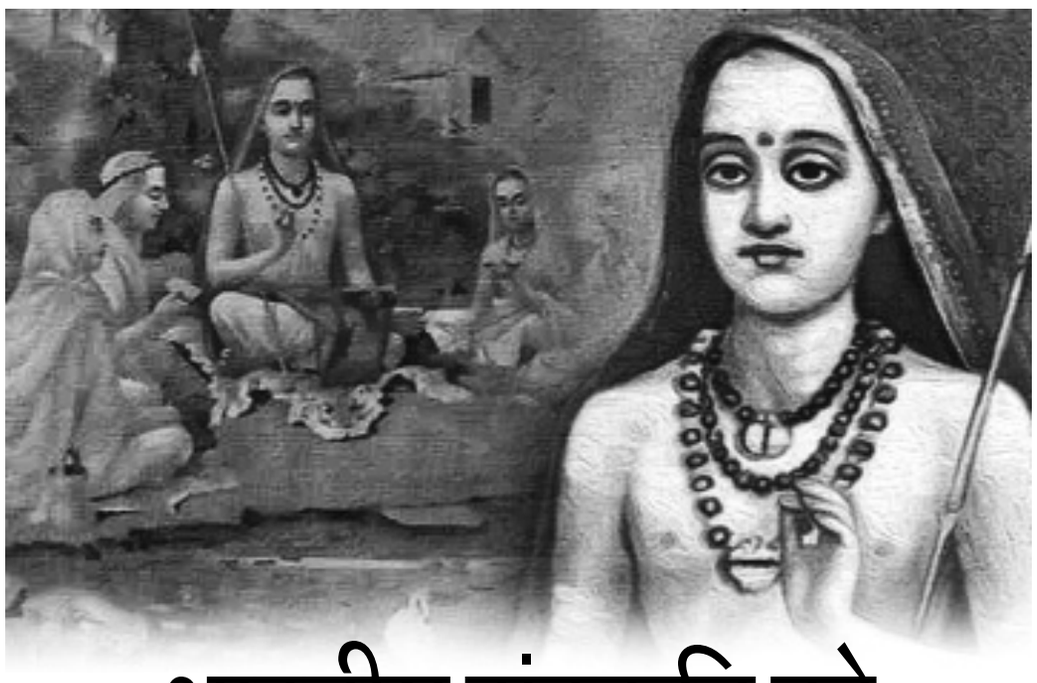

भारतीय संस्कृति को जोड़े रखने में आद्य शंकराचार्य का योगदान

महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने अपनी पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश में लिखा है कि आदि शंकराचार्यजी का काल लगभग 2200 वर्ष पूर्व का है। दयानंद सरस्वती जी 138 साल पहले हुए थे। इस वक्त अंग्रेजी वर्ष 2023 चल रहा है और विक्रम संवत 2080 चल रहा है। विक्रम संवत इससे 57 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था। इस वक्त कलि संवत 5124 चल रहा है। युधिष्ठिर संवत कलि संवत से 39 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था। मतलब इस वक्त युधिष्ठिर संवत 5163 चल रहा है। आदि शंकराचार्य का जन्म केरल के मालाबार क्षेत्र के कालड़ी नामक स्थान पर नम्बूद्री ब्राह्मण शिवगुरु एवं आर्याम्बा के यहां हुआ था और वे 32 वर्ष तक ही जीए थे। 788 ईस्वी में जिन शंकराचार्य का जन्म हुआ था वे अभिनव शंकराचार्य थे।

चार धामों में चार मठ की स्थापना

आदि शंकराचार्य ने चार मठों की स्थापना की थी। उत्तर दिशा में उन्होंने बद्रिकाश्रम में ज्योर्तिमठ की स्थापना की थी। यह स्थापना उन्होंने 2641 से 2645 युधिष्ठिर संवत के बीच की थी। इसके बाद पश्चिम दिशा में द्वारिका में शारदामठ की स्थापना की थी। इसकी स्थापना 2648 युधिष्ठिर संवत में की थी। इसके बाद उन्होंने दक्षिण में श्रंगेरी मठ की स्थापना भी 2648 युधिष्ठिर संवत में की थी। इसके बाद उन्होंने पूर्व दिशा में जगन्नाथ पुरी में 2655 युधिष्ठिर संवत में गोवर्धन मठ की स्थापना की थी। आप इन मठों में जाएंगे तो वहां इनकी स्थापना के बारे में लिखा जान लेंगे। आदि शंकराचार्य के समय जैन राजा सुधनवा थे।

दशनामी संप्रदाय

शंकराचार्य ने ही हर क्षेत्र के हिन्दुओं को संगठित करने और जातिवाद को समाप्त करने के लिए दसनामी सम्प्रदाय की स्थापना की थी। यह दस संप्रदाय निम्न हैं :- 1.गिरि, 2.पर्वत और 3.सागर। इनके ऋषि हैं भ्रगु। 4.पुरी, 5.भारती और 6. सरस्वती। इनके ऋषि हैं शांडिल्य। 7.वन और 8.अरण्य के ऋषि हैं काश्यप। 9.तीर्थ और 10.आश्रम के ऋषि अवगत हैं। इन्हीं संप्रदाय को आजकल संत संप्रदाय माना जाता है जिनके 13 अखाड़े कुंभ में स्नान करते हैं। शंकराचार्य ने हिंदू धर्म को व्यवस्थित करने का भरपूर प्रयास किया।

शंकराचार्य के चार शिष्य

1.पद्मपाद (सनन्दन), 2.हस्तामलक 3.मंडन मिश्र 4. तोटक (तोटकाचार्य)। माना जाता है कि उनके ये शिष्य चारों वर्णों से थे।

नागा परंपरा

दशनामियों के दो कार्यक्षेत्र निश्चित किए- पहला शस्त्र और दूसरा शास्त्र। यह भी कहा जाता है कि शंकराचार्य के सुधारवाद का तत्कालीन समाज में खूब विरोध भी हुआ था और साधु समाज को उग्र और हिंसक साम्प्रदायिक विरोध से जूझना पड़ता था। काफी सोच-विचार के बाद शंकराचार्य ने वनवासी समाज को दशनामी परम्परा से जोड़ा, ताकि उग्र विरोध का सामना किया जा सके। वनवासी समाज के लोग अपनी रक्षा करने में समर्थ थे, और शस्त्र प्रवीण भी। इन्हीं शस्त्रधारी वनवासियों की जमात नागा साधुओं के रूप में सामने आई। ये नागा जैन और बौद्ध धर्म भी सनातन हिन्दू परम्परा से ही निकले थे। वन, अरण्य, नामधारी संन्यासी उड़ीसा के जगन्नाथपुरी स्थित गोवर्धन पीठ से संयुक्त हुए।

अखाड़ों की परंपरा

इन मठाम्नायों के साथ अखाड़ों की परम्परा भी लगभग इनकी स्थापना के समय से ही जुड़ गई थी। चारों पीठों की देशभर में उपपीठ स्थापित हुई। कई शाखाएं-प्रशाखाएं बनीं, जहां धूनि, मढ़ी अथवा अखाड़े जैसी व्यवस्थाएं बनीं। जिनके जरिए, स्वयं संन्यासी पोथी, चोला का मोह छोड़ कर, थोड़े समय के लिए शस्त्रविद्या सीखते थे, साथ ही आमजन को भी इन अखाड़ों के जरिए आत्मरक्षा के लिए सामरिक कलाएं सिखाते थे। हिन्दुओं की आश्रम परम्परा के साथ अखाड़ों की परंपरा भी प्राचीनकाल से ही रही है। अखाड़ों का आज जो स्वरूप है उस रूप में पहला अखाड़ा 'अखंड आह्वान अखाड़ा' 547 ई.में सामने आया। इसका मुख्य कार्यालय काशी में है और शाखाएं सभी कुम्भ तीर्थों पर हैं।

मध्यकाल मे चारों पीठों से जुड़ी दर्जनों पीठिकाएं सामने आईं, जिन्हें मठिका कहा गया। इसका देशज रूप मढ़ी प्रसिद्ध हुआ। देशभर में दशनामियों की ऐसी कुल 52 मढ़ियां हैं, जो चारों पीठों द्वारा नियंत्रित हैं। इनमें सर्वाधिक 27 मठिकाएं गिरि दशनामियों की हैं, 16 मठिकाओं में पुरी नामधारी संन्यासी के अधीन हैं, 4 मढ़ियों में भारती नामधारी दशनामियों का वर्चस्व है और एक मढ़ी लामाओं की है। साधुओं में दंडी और गोसाईं दो प्रमुख भेद भी हैं। तीर्थ, आश्रम, भारती और सरस्वती दशनामी, दंडधर साधुओं की श्रेणी में आते हैं जबकि बाकी गोसाईं कहलाते हैं।

शंकराचार्य परंपरा की शुरुआत

उन्होंने साधु समाज की अनादिकाल से चली आ रही धारा को पुनर्जीवित कर चार धाम की चार पीठ का गठन किया जिस पर चार शंकराचार्यों की परम्परा की शुरुआत हुई। इस छोटी-सी उम्र में ही उन्होंने भारतभर का भ्रमण कर हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए चार मठों ही स्थापना की। चार मठ के शंकराचार्य ही हिंदुओं के केंद्रिय आचार्य माने जाते हैं, इन्हीं के अधिन अन्य कई मठ हैं। हिंदू साधुओं के नाम के आगे स्वामी और अंत में उसने जिस संप्रदाय में दीक्षा ली है उस संप्रदाय का नाम लगाया जाता है, जैसे- स्वामी अवधेशानंद गिरि।

शंकराचार्य ने सुप्रसिद्ध ब्रह्मसूत्र भाष्य के अतिरिक्त ग्यारह उपनिषदों पर तथा गीता पर भाष्यों की रचनाएं की एवं अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथों स्तोत्र-साहित्य का निर्माण कर वैदिक धर्म एवं दर्शन को पुन: प्रतिष्ठित करने के लिए अनेक श्रमण, बौद्ध तथा हिंदू विद्वानों से शास्त्रार्थ कर उन्हें पराजित किया।

शंकराचार्य ने केदारनाथ से कामाख्या तक और सोमनाथ से रामेश्वरम तक के सभी मंदिरों के जिर्णोद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

शंकराचार्य का दर्शन

शंकराचार्य के दर्शन को अद्वैत वेदांत का दर्शन कहा जाता है। शंकराचार्य के गुरु दो थे। गौडपादाचार्य के वे प्रशिष्य और गोविंदपादाचार्य के शिष्य कहलाते थे। शंकराचार्य का स्थान विश्व के महान दार्शनिकों में सर्वोच्च माना जाता है। उन्होंने ही इस ब्रह्म वाक्य को प्रचारित किया था कि 'ब्रह्म ही सत्य है और जगत माया।' आत्मा की गति मोक्ष में है। अद्वैत वेदांत अर्थात उपनिषदों के ही प्रमुख सूत्रों के आधार पर स्वयं भगवान बुद्ध ने उपदेश दिए थे। उन्हीं का विस्तार आगे चलकर माध्यमिका एवं विज्ञानवाद में हुआ। इस औपनिषद अद्वैत दर्शन को गौडपादाचार्य ने अपने तरीके से व्यवस्थित रूप दिया जिसका विस्तार शंकराचार्य ने किया। वेद और वेदों के अंतिम भाग अर्थात वेदांत या उपनिषद में वह सभी कुछ है जिससे दुनिया के तमाम तरह का धर्म, विज्ञान और दर्शन निकलता है।

देह त्याग

आदि शंकराचार्य के समय जैन राजा सुधनवा थे। उनके शासन काल में उन्होंने वैदिक धर्म का प्रचार किया। उन्होंने उस काल में जैन आचार्यों को शास्त्रार्थ के लिए आमंत्रित किया। राजा सुधनवा ने बाद में वैदिक धर्म अपना लिया था। राजा सुधनवा का ताम्रपत्र आज उपलब्ध है। यह ताम्रपत्र आदि शंकराचार्य की मृत्यु के एक महीने पहले लिख गया था। शंकराचार्य के सहपाठी चित्तसुखाचार्या थे। उन्होंने एक पुस्तक लिखी थी जिसका नाम है बृहतशंकर विजय। हालांकि वह पुस्तक आज उसके मूल रूप में उपलब्ध नहीं हैं लेकिन उसके दो श्लोक है। उस श्लोक में आदि शंकराचार्य के जन्म का उल्लेख मिलता है जिसमें उन्होंने 2631 युधिष्ठिर संवत में आदि शंकराचार्य के जन्म की बात कही है। गुरुरत्न मालिका में उनके देह त्याग का उल्लेख मिलता है। केदारनाथ मंदिर के पीछे उनकी समाधी है।

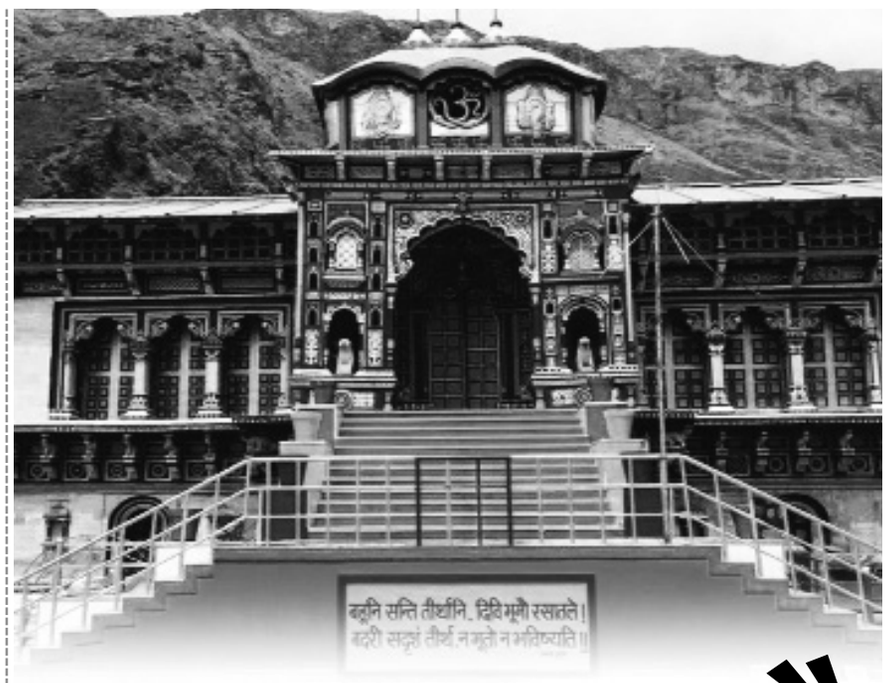

क्या महत्व है चार धाम की यात्रा का

गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा को छोटा चार धाम यात्रा कहते हैं। वैसे बड़े चार धाम के नाम है बद्रीनाथ, जगन्नाथ, रामेश्वरम और द्वारिका धाम। चारधाम की यात्रा करने से मिलते हैं 10 शुभ फल। जानिए यात्रा का महत्व।

क्यों महत्व रखता है छोटा चार धाम

उक्त चारों ही स्थान पर दिव्य आत्माओं का निवास माना गया है। यह बहुत ही पवित्र स्थान माने जाते हैं। केदारनाथ को जहां भगवान शंकर का आराम करने का स्थान माना गया है वहीं बद्रीनाथ को सृष्टि का आठवां वैकुंठ कहा गया है, जहां भगवान विष्णु 6 माह निद्रा में रहते हैं और 6 माह जागते हैं। यहां बदरीनाथ की मूर्ति शालग्रामशिला से बनी हुई, चतुर्भुज ध्यानमुद्रा में है। यहां नर-नारायण विग्रह की पूजा होती है और अखण्ड दीप जलता है, जो कि अचल ज्ञानज्योति का प्रतीक है।

केदार घाटी में दो पहाड़ हैं- नर और नारायण पर्वत। विष्णु के 24 अवतारों में से एक नर और नारायण ऋषि की यह तपोभूमि है। उनके तप से प्रसन्न होकर केदारनाथ में शिव प्रकट हुए थे। दूसरी ओर बद्रीनाथ धाम है जहां भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। भगवान केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के बाद बद्री क्षेत्र में भगवान नर-नारायण का दर्शन करने से मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे जीवन-मुक्ति भी प्राप्त हो जाती है। इसी आशय को शिवपुराण के कोटि रुद्र संहिता में भी व्यक्त किया गया है।

चारधाम यात्रा के 10 शुभ फल

- **पाप हो जाते हैं नष्ट :** इस यात्रा को करने से मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं।
- **जन्म मरण से मिलती मुक्ति :** कहते हैं कि इस यात्रा में मृत्यु को प्राप्त हो जाना सबसे शुभ है। व्यक्ति को जीवन-मुक्ति प्राप्त हो जाती है। बद्रीनाथ के बारे में एक कहावत प्रचलित है कि 'जो जाए बदरी, वो ना आए ओदरी'। अर्थात जो व्यक्ति बद्रीनाथ के दर्शन कर लेता है, उसे पुन: उदर यानी गर्भ में नहीं आना पड़ता है। शिव पुराण के अनुसार केदारतीर्थ में पहुंचकर, वहां केदारनाथ ज्योतिर्लिंग का पूजन कर जो मनुष्य वहां का जल पी लेता है, उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- **बढ़ता है अनुभव :** चारधाम यात्रा से हमें नए-नए अनुभव होते हैं, हमारी स्मृतियां और सोच बढ़ती है। हम शिक्षित होते हैं।
- **प्रकृति के होते हैं दर्शन :** यात्राओं से हम यह देख पाते हैं कि धरती कैसी है, प्रकृति कैसी है, शहर, गांव और कस्बें कैसे हैं।
- **संस्कृति के होते दर्शन :** यात्राओं से हमें भिन्न-भिन्न संस्कृति और धर्म की भाषा, भूषा और भोजन का पता चलता है। यात्राओं से ही जान सकते हैं कि लोग कैसे हैं, उनके विचार कैसे हैं और अतत: हम यह निर्णय ले सकते हैं कि हम कैसे हैं। यात्राओं से जीवन में कई तरह के रंग भर जाते हैं।
- **अनुभव का मिलता फायदा :** बहुत से लोग एक शहर छोड़कर दूसरे शहर घूमते रहते हैं। इससे उन्हें पता चलता है कि कहां क्या मिलता है और कितने में मिलता है। ऐसा करके वे अपने शहर में वह व्यापार शुरू कर सकते हैं जो कि उनके शहर में नहीं होता है। ऐसी भी बहुत सारी बाते हैं जो आपके शहर में नहीं हो रही है। यदि आप यात्रा करेंगे तो पता चलेगा कि आपके शहर, गांव या कस्बे में क्या नहीं हो रहा है। जैसे कुछ लोग अमेरिका से सीखकर यहां आते हैं और अपने शहर को कुछ नया देते हैं।
- **आयु वृद्धि :** तीर्थ यात्रा में अक्सर पैदल चलना होता है। पैदल चलने से शरीर सुगठित और पुष्ट होता है। जंघा, भुजा, नाड़ी और मांस पेशियां परिपुष्ट हो जाती है। तीर्थ यात्रा करने से व्यक्ति को हर तरह की जलवायु का सामना करना होता है जिसके चलते वह सेहतमंद बनता है और नए नए अनुभव प्राप्त करता है। पहाड़ों पर शुद्ध हवा से नए जीवन का संचार होता है। आयु में वृद्धि होती है।
- **वंश को जानने का मिलता मौका :** तीर्थ यात्रा के दौरान व्यक्ति अपने देश और धर्म को जानने का प्रयास करता है। तीर्थ पुरोहित, पंडा से मिलकर अपने कुल खानदान को जानता है। तपस्वी, मनस्वी, साधु, संत आदि के आश्रमों में रुकने का मौका मिलता है। उनके आश्रम में नहीं ठहरते हैं तो उनसे मिलने का मौका मिलता है जिसके चलते मानसिक लाभ मिलता है।
- **जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य :** हिन्दू धर्म में चार धमों की तीर्थ यात्रा करने के महत्व के संबंध में विस्तार से उल्लेख मिलता है। इसके माध्यम से व्यक्ति देश के संपूर्ण लोगों, उनकी संस्कृति, भाषा, इतिहास, धर्म और परंपरा आदि से परिचित ही नहीं होता बल्कि वह अपने भीतर बौद्धिकता और आत्मज्ञान के रास्ते भी खोल लेता है। तीर्थ यात्रा करने से व्यक्ति में खुद के बारे में, लोगों के बारे में समझने की बुद्धि का विकास तो होता ही है साथ ही उसे अपने जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य भी पता चलता है। अक्सर लोग जीवन के अंतिम पड़ाव में तीर्थ यात्रा पर जाते हैं लेकिन जो जवानी में गया समझो उसने ही सबकुछ पाया। वही परिपक्व और अनुभवी व्यक्ति है।

क्यों करते हैं तीर्थ यात्रा

- मोक्ष के लिए करते हैं तीर्थ दर्शन
- तीर्थ मार्ग में सत्संग से मिलता ज्ञान।
- जीवन का सत्य पचा चलता है।

तीर्थ यात्रा में यह 14 काम हरगिज न करें पुण्य के बजाय मिलेगा पाप

हिन्दू धर्म में तीर्थ यात्रा करने का खासा महत्व है। तीर्थ करने के कई सांसारिक और आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं। कई लोग तीर्थ यात्रा पर जाते हैं लेकिन उन्हें तीर्थ यात्रा करने के नियम नहीं मालूम रहते हैं। वहां जाकर वे ऐसे कार्य करते हैं जो कि तीर्थक्षेत्र में वर्जित माने गए हैं। आओ जानते हैं कि तीर्थ क्षेत्र में कौनसे 14 कार्य हरगिज नहीं करना चाहिए। तीर्थ यात्रा करने समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- तीर्थ यात्रा के दौरान जप, तप और दान करना चाहिए। जो ऐसा नहीं करता है वह रोग और दोष का भागीदार बनता है।
- दूसरी जगह किया गया पाप तीर्थ यात्रा में नष्ट हो जाता है लेकिन तीर्थ में किया गया पाप कभी नष्ट नहीं होता है।
  अन्यत्र हिकृतं पापं तीर्थ मासाद्य नश्यति।
  तीर्थेषु यत्कृतं पापं वज्रलेपो भविष्यति।
- पत्नि या पति को छोड़कर किए गए तीर्थ का पुण्य फल प्राप्त नहीं होता है। पत्नी के होते या पति के जिंदा रहते उन्हें छोड़कर अकेले तीर्थ नहीं किया जाता।
- तीर्थ यात्रा के दौरान या तीर्थक्षेत्र में किसी भी प्रकार का व्यसन करना या मांसाहार का सेवन करने से पाप लगता है।
- तीर्थ परिक्रमा या मंदिर परिक्रमा करते वक्त अधूरी परिक्रमा नहीं करना चाहिए और भगवान के सामने या तीर्थ के प्रमुख पड़ाव पर रुककर परिक्रमा करना चाहिए।
- तीर्थ क्षेत्र में या मंदिर में भगवान के समक्ष या श्रीविग्रह समक्ष पैर पसारकर बैठना अशुभ माना जाता है। इससे पाप लगता है। श्रीविग्रह के सामने जोर से बोलना और सांसारिक वार्तालाप करना भी मना है।
- तीर्थ में नदी या मूर्ति के सामने सोना और घुटनों को ऊंचा करके उनको हाथों से लपेटकर नहीं बैठना चाहिए। मूर्ति के सामने चिल्लाना और कलह करना, अश्लील शब्द बोलना पाप है।
- तीर्थ यात्रा के दौरान या तीर्थक्षेत्र में झूठ बोलना पाप माना जाता है जिससे तीर्थ का फल नहीं मिलता है।
- भगवान को निवेदित किए बिना किसी भी वस्तु को नहीं खाना-पीना चाहिए यानी भोग लगाए ही भोजन करना या उपयोग में लाने से बचे हुए भोजन को भगवान के लिए निवेदन करना पाप है और ऋतु फल खाने से पहले भगवान को जरुर चढ़ाएं।
- अपने या अपने परिवार के सदस्यों के ही रुपयों से तीर्थ करना चाहिए।
- पैरों में खड़ाऊ पहनकर या सवारी चढ़कर तीर्थ के मुख्य क्षेत्र या मंदिर में नहीं जाना चाहिए।
- अशौच अवस्था में तीर्थ या मंदिर में नहीं जाते हैं। तीर्थ के मंदिर में बगैर शुद्धकरण के दाखिल होना पाप है।
- किसी को कोसना, किसी की निंदा या स्तुति करना, रोना या जोर जोर से हंसना, किसी को दंड देना, आत्म-प्रशंसा करना, देवताओं को कोसना आदि भी पाप है।
- पलंग लगाकर सोना, कंबल ओढ़कर बैठना, अधोवायु का त्याग करना, आरती के समय उठकर चले जाना, एक हाथ से प्रणाम करना, शक्ति रहते हुए गौण उपचारों से पूजा करना, मुख्य उपचारों का प्रबन्ध न करना, मंदिर के सामने से निकलते हुए प्रणाम न करना। भजन-कीर्तन आदि के दौरान किसी भी भगवान का वेश बनाकर खुद की पूजा करवाना, मूर्ति के ठीक सामने खड़े होना, मंदिर से बाहर निकलते वक्त भगवान को पीठ दिखाकर बाहर निकलना, मंदिर में रुपये या पैसे फेंकना आदि सभी पाप है।

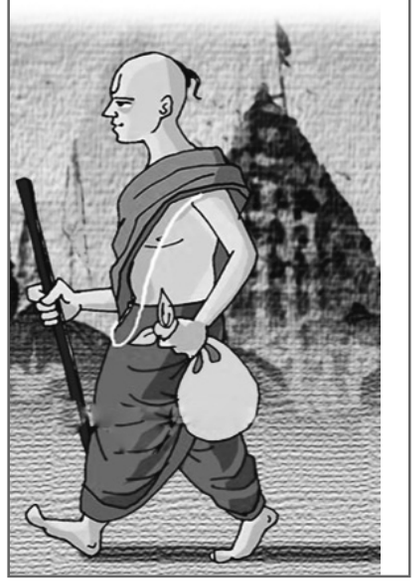

व्यवस्था परिवर्तन के लिए कटिबद्ध - सुख की सरकार

76 वें हिमाचल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। देश को आज़ादी मिलने के 8 माह बाद 15 अप्रैल 1948 को यह सुन्दर पहाड़ी प्रदेश 30 छोटी-बड़ी पहाड़ी रियासतों के विलय के साथ केन्द्रशासित चीफ कमिशनर्ज़ प्रोविंस के रूप में अस्तित्व में आया था।

प्रदेश को एक अलग राज्य के रूप में स्थापित करने का श्रेय तत्कालीन नेतृत्व के साथ-साथ प्रजामण्डल आन्दोलन के नायकों व आंदोलनकारियों और यहां की जागरूक जनता को जाता है। हिमाचल प्रदेश के गौरवमयी इतिहास में धामी गोलीकांड, सुकेत सत्याग्रह, पझौता आन्दोलन का विशेष स्थान है।

इस पावन अवसर पर मैं हिमाचल निर्माता तथा प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार तथा उन सभी महानुभावों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस प्रदेश को विशेष पहचान तथा अलग राज्य का दर्जा दिलवाने के लिए अथक प्रयास किए।

हिमाचल प्रदेश को वीरभूमि के नाम से भी जाना जाता है। इस अवसर पर मैं प्रदेश के उन सभी बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने वतन के लिए कुर्बानियां दी हैं। मैं कर्मठ व ईमानदार प्रदेशवासियों का भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने प्रदेश को देश-विदेश में खास पहचान दिलवाई है।

11 दिसम्बर, 2022 को हमारी सरकार ने कार्यभार सम्भाला। इसी के साथ प्रदेश में जनकल्याण एवं व्यवस्था परिवर्तन के नये युग का सूत्रपात हुआ। मैं मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सचिवालय जाने की परम्परा को बदलते हुए सबसे पहले बालिका आश्रम टूटीकंडी गया। मैं बच्चों से मिला, बातचीत की। उन्होंने कोई मांग नहीं की लेकिन मैंने महसूस किया कि अभाव के बावजूद उनके चेहरों पर कुछ कर गुज़रने का जज़्बा था। नव वर्ष के तोहफे के तौर पर 101 करोड़ रुपये के शुरुआती प्रावधान के साथ सरकार ने मुख्यमंत्री सुख-आश्रय कोष की स्थापना की घोषणा की। सरकार ने निर्णय लिया कि अब ऐसे ही अनाथ बच्चों के माता भी हम होंगे और पिता भी। इनके सुख-दुःख, शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रमण की ज़िम्मेदारी भी अब हमारी ही है। प्रदेश के लगभग 6,000 अनाथ बच्चों को मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत 'चिल्ड्रन ऑफ स्टेट' के रूप में अपनाने का हमने निर्णय लिया है।

हमारी सरकार सत्ता में सुख के लिए नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन के लिए आई है। हमारी सरकार का पहला बजट सामान्य बजट नहीं है। मैंने लगातार विभिन्न विभागों की बैठकें कीं योजनाओं के बारे में जाना, समझा और चिन्तन-मनन किया। हम प्रदेश के हित में लीक से हट कर बजट लाए। आपको बजट में शामिल की गई योजनाओं का प्रभाव एक साल के भीतर ही दिखना शुरू हो जाएगा। हम चाहते हैं कि प्रदेश आत्मनिर्भर बने और हमारी आर्थिकी मज़बूत हो। हमारा पहला वायदा पुरानी पेंशन योजना बहाल करना था। हमने पहली कैबिनेट बैठक में ही 1.36 लाख सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के तहत लाने का निर्णय लिया। इसी क्रम में हमने 2.31 लाख महिलाओं को 1500 रुपये पेंशन देने का निर्णय लिया।

विधवाओं एवं 40 से 69 प्रतिशतता वाले दिव्यांगजनों को पेंशन पाने के लिए हमने आय सीमा और ग्राम सभा से अनुमति की शर्त समाप्त कर दी है। विधवाओं और एकल नारियों को मकान बनाने के लिए मुख्यमन्त्री विधवा एवं एकल नारी आवास योजना आरम्भ की जा रही है। इसके तहत इस वर्ष 7000 ऐसी महिलाओं को 1.50 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। इस योजना का लाभ पाने के लिए वार्षिक आय सीमा दो लाख रुपये निर्धारित की गई है।

बेटियों को सम्पत्ति में समान अधिकार प्रदान करने की दिशा में सरकार ने निर्णायक कदम उठाया है। विधानसभा में हिमाचल प्रदेश भू-जोत अधिकतम सीमा अधिनियम 1972 में संशोधन विधेयक पारित किया गया है। अब लैंगिक असमानता को बढ़ावा देने वाले असंवैधानिक खण्डों को हटाकर बेटियों को पैतृक सम्पत्ति के भू-स्वामित्व में समान अधिकार सुनिश्चित किया गया है।

'यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम' (पॉक्सो) के प्रावधानों के बारे में मुख्यमन्त्री सुरक्षित बचपन अभियान के अन्तर्गत प्रदेशवासियों, विशेषकर बच्चों को जागरूक किया जाएगा। राज्य में नशे की समस्या से निपटने के लिए विशेष कार्य दल का गठन किया जा रहा है।

प्रदेश की आबो-हवा और बहता पानी हमारे लिए वरदान है। पहली बार हम एक लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। मार्च, 2026 तक इस प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश सरकार ने ग्रीन हाइड्रोजन एवं अमोनिया परियोजना के लिए समझौता किया है। इससे प्रदेश में 4,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश होगा तथा 3500 से अधिक रोज़गार के अवसर सृजित होंगे। प्रदेश में 6 ग्रीन कॉरिडोर घोषित किए गए हैं, जहां इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से यातायात सुविधा प्रदान की जाएगी।

सरकार के प्रयासों से प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा है। निजी संचालकों को इलेक्ट्रिक बस, इलेक्ट्रिक ट्रक, इलेक्ट्रिक टैक्सी, इलेक्ट्रिक ऑटो तथा ई-गुडस कैरियर्ज लेने पर 50 प्रतिशत की दर से अधिकतम 50 लाख रुपये का उपदान दिया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं। हमने इस दिशा में कार्य करना शुरू कर दिया है। प्रदेश में एशियन विकास बैंक की सहायता से 1311 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन विकास योजना भी शुरू की जाएगी।

पर्यटन की दृष्टि से कांगड़ा में एयरपोर्ट का निर्माण विस्तार निश्चित तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि कांगड़ा को प्रदेश की 'पर्यटन राजधानी' के रूप में विकसित किया जा रहा है। सभी ज़िला मुख्यालयों को वर्ष भर

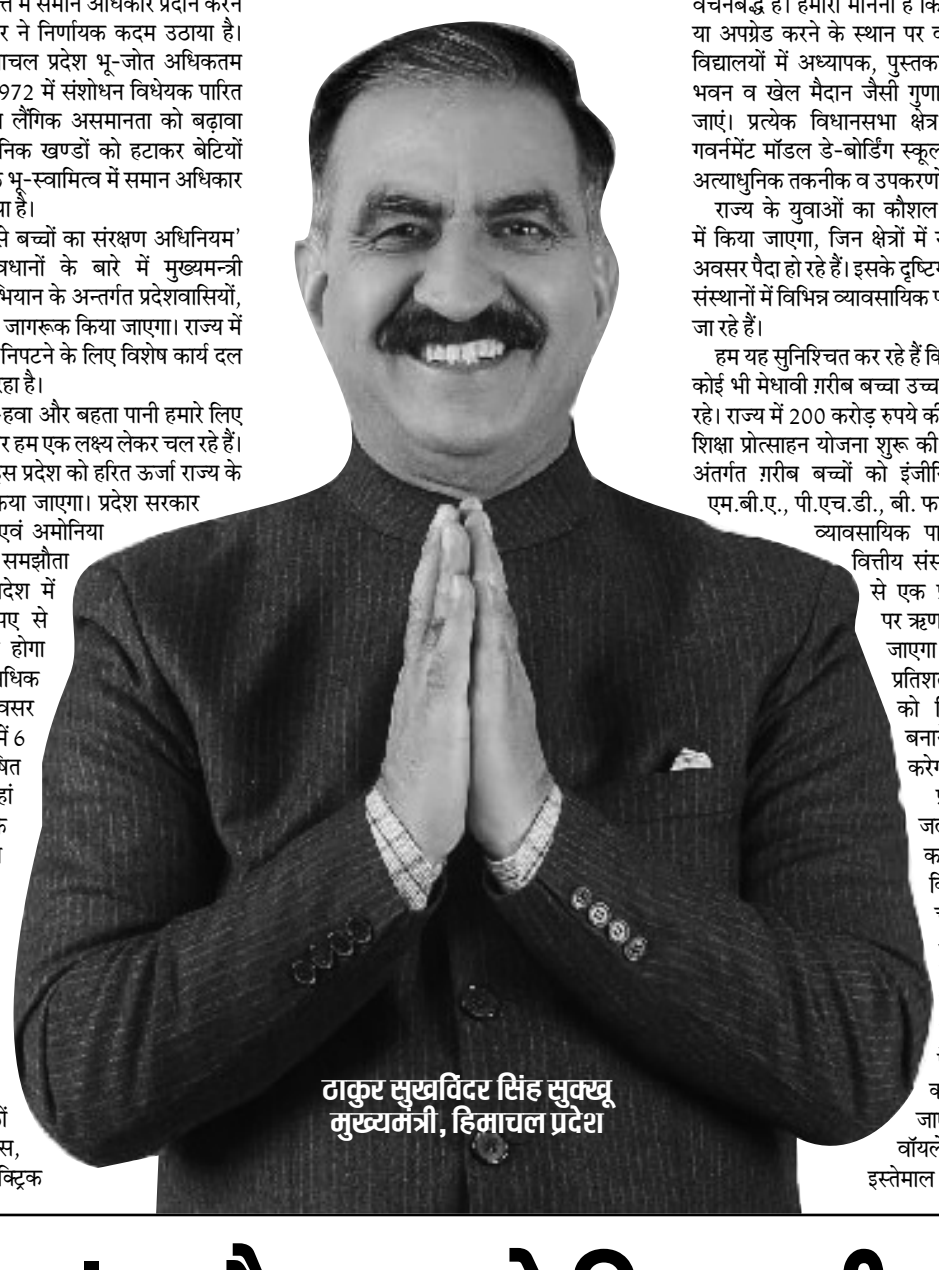

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू
मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

हवाई परिवहन से जोड़ने के लिए हेलीपोर्ट निर्माण और विकास के कार्य प्रगति पर हैं। पर्यावरण संरण की दृष्टि से प्रदेश में रोपवे निर्माण को भी गति दी जा रही है।

राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है एक वर्ष के भीतर प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों के कुछ विभागों में रोबोटिक सर्जरी का कार्य शुरू हो जाएगा। सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में कैजुअल्टी विभाग को स्तरोन्नत कर 'एमरजेंसी मेडिसन विभाग' बनाने का भी निर्णय लिया गया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक स्वास्थ्य संस्थान को आदर्श स्वास्थ्य संस्थान के रूप में स्तरोन्नत किया जाएगा।

शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हम वचनबद्ध है। हमारा मानना है कि नए स्कूल खोलने या अपग्रेड करने के स्थान पर वर्तमान में चल रहे विद्यालयों में अध्यापक, पुस्तकालय, लैब, अच्छे भवन व खेल मैदान जैसी गुणात्मक सुविधाएं दी जाएं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी गवर्नमेंट मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल खोले जाएंगे, जो अत्याधुनिक तकनीक व उपकरणों से लैस होंगे।

राज्य के युवाओं का कौशल विकास उन क्षेत्रों में किया जाएगा, जिन क्षेत्रों में रोज़गार के अधिक अवसर पैदा हो रहे हैं। इसके दृष्टिगत विभिन्न सरकारी संस्थानों में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।

हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पैसों के अभाव में कोई भी मेधावी ग़रीब बच्चा उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। राज्य में 200 करोड़ रुपये की राजीव गांधी उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना शुरू की जा रही है जिसके अंतर्गत ग़रीब बच्चों को इंजीनियरिंग, मेडिकल, एम.बी.ए., पी.एच.डी., बी. फार्मेसी, नर्सिंग आदि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए वित्तीय संस्थानों की सहायता से एक प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। यह मात्र एक प्रतिशत ब्याज, इन बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी सहयोग करेगा।

प्रदेश में निर्बाध जलापूर्ति उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जाएंगे। प्रथम चरण में पायलट आधार पर नदी या डैम के साथ लगती कुछ नगर पंचायतों व नगर परिषदों में पेयजल योजनाओं को स्तरोन्नत किया जाएगा। अल्ट्रा-वॉयलेट किरणों का इस्तेमाल कर बैक्टीरिया-फ्री जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

गुणवत्तायुक्त सड़कें उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मुख्यमन्त्री सड़क एवं रख-रखाव योजना आरम्भ की जाएगी। इस वर्ष 1,060 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण, 1,505 किलोमीटर सड़कों की मैटलिंग व टारिंग तथा 70 नए पुलों का निर्माण किया जाएगा। 70 गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा। राष्ट्रीय उच्च राजमार्गों को डबल-लेन से फोर-लेन में स्तरोन्नत करने का कार्य भी किया जा रहा है।

कृषि व सम्बद्ध क्षेत्रों पर प्रदेश की 70 प्रतिशत आबादी निर्भर है लेकिन बढ़ती आबादी व प्रकृति पर निर्भरता के फलस्वरूप आज कृषि व पशुपालन कठिन व्यवसाय बनते जा रहे हैं। कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए हिम उन्नति योजना शुरू की जा रही है। इसके अन्तर्गत क्षेत्र विशेष की क्षमता के अनुरूप दूध, दालों, सब्जियों, फलों, फूलों, नगदी फसलों के क्लस्टर बनाए जाएंगे।

राज्य सरकार कृषि, पशुपालन, बागवानी तथा मत्स्य क्षेत्र में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए 2 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाएगी। दूध आधारित व्यवस्था को विकसित करने के लिए 500 करोड़ रुपए की हिम गंगा योजना भी आरम्भ की जा रही है। इसके माध्यम से पशुपालकों को दूध का उचित दाम दिलवाया जाएगा और दूध के प्रसंस्करण व विपणन में सुधार लाया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश में निजी क्षेत्र में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को तालाब निर्माण पर 80 प्रतिशत उपदान दिया जाएगा।

जल विद्युत दोहन में निजी निवेश को बढ़ावा देने एवं रोज़गार के अवसर सृजित करने के लिए आकर्षक नीति लाई जाएगी। विश्व बैंक की सहायता से 2,000 करोड़ रुपये की लागत का हिमाचल प्रदेश पावर सेक्टर डेवेलपमेंट प्रोग्राम आरम्भ किया जाएगा। राज्य को आर्थिक रूप से मज़बूत करने के लिए बिजली बनाने के लिए उपयोग होने वाले पानी पर 'वाटर सैस' लगाने का निर्णय लिया गया है, इससे करोड़ों रुपये सालाना आय होने का अनुमान है।

युवाओं को रोज़गार प्रदान करने के लिए मुख्यमन्त्री रोज़गार संकल्प सेवा आरम्भ की जा रही है जिसके अंतर्गत दूर-दराज़ क्षेत्रों के युवाओं को भी राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर रोज़गार के अवसर उपलब्ध होंगे। हमने इस वर्ष विभिन्न विभागों के 25 हज़ार क्रियाशील पदों को भरने का निर्णय लिया है। पर्यटन, ऊर्जा, निर्माण, आवास जैसे क्षेत्रों में लगभग 20 हज़ार करोड़ रुपये का निजी निवेश लाने के प्रयास किए जाएंगे जिससे लगभग 90 हज़ार प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।

हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि केवल खाली पहाड़ियों पर ही पौधरोपण किया जाएगा। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री ग्रीन कवर मिशन के तहत 12 जिलों में खाली पहाड़ियों पर पौधरोपण किया जाएगा। पहले विकास कार्यों में वन स्वीकृतियाँ देने में बहुत समय लगता था। सरकार ने वन स्वीकृतियों में तेज़ी लाने के लिए ज़िला स्तरीय समितियां गठित की हैं, जो समय पर अपने ज़िले से सम्बन्धित अधिकारियों के साथ वन स्वीकृतियों के मामलों की समीक्षा करेंगी। इससे वन स्वीकृतियां जल्दी मिलेंगी और परियोजनाओं का कार्य तेज़ी से होगा।

प्रदेश में मौजूदा एकल खिड़की प्रणाली को ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन में परिवर्तित किया जाएगा। यह ब्यूरो निवेशकों को प्रदेश में 'आओ और काम शुरू करो' की सुविधा प्रदान करेगा तथा हिमाचल प्रदेश को आदर्श निवेश मित्र राज्य के रूप में विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा।

युवाओं को स्वरोजगार एवं स्टार्ट-अप आरम्भ करने के लिए राजीव गांधी स्वरोज़गार योजना आरम्भ की जाएगी। योजना के तहत अनेक उद्यमों के साथ-साथ दंत-चिकित्सालयों में मशीनरी एवं औजार, मत्स्य इकाईयों, ई-टैक्सी तथा एक मैगावाट तक की सौर ऊर्जा परियोजनाओं को शामिल किया जाएगा।

मनरेगा दिहाड़ी प्रदेश में 212 रुपये से बढ़ाकर 240 रुपये की गई है। इसी तरह जनजातीय क्षेत्रों में मिलने वाली दिहाड़ी 266 रुपये से बढ़ाकर 294 रुपये की गई है। पंचायती राज संस्थाओं व स्थानीय नगर निकायों के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों में कार्यरत पैरा वर्क्रज़ के मानदेय में भी वृद्धि की गई है।

छोटे दुकानदारों व व्यापारियों को 50 हज़ार रुपये तक के ऋण पर लगने वाले ब्याज का 50 प्रतिशत उपदान देने के लिए मुख्यमन्त्री लघु दुकानदार कल्याण योजना आरम्भ की जाएगी। व्यापारियों, निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं के कर व शुल्क सम्बंधित लम्बित मामलों को निपटाने के लिए सद्भावना योजना शुरु की जा रही है।

इस वर्ष प्रदेश सरकार ने नीलामी एवं निविदा प्रक्रिया के माध्यम से शराब की खुदरा दुकानों का आवंटन किया। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 40 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ। शराब की हर बोतल पर 10 रुपए का 'मिल्क सैस' दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से लगाया गया है। अगर सही ढंग, सही नीति और सही सोच से आर्थिकी को मज़बूत करेंगे तो आने वाले 10 सालों में हिमाचल प्रदेश, देश का सबसे विकसित और सम्पन्न राज्य होगा और इसके लिए आने वाली पीढ़ियां हमें याद रखेंगी। सरकार हर क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए भ्रष्टाचार-मुक्त, संवेदनशील तथा जवाबदेह प्रशासन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य, सभी वर्गों व सभी क्षेत्रों का समान व संतुलित विकास करना तथा ग़रीब व पिछड़े वर्गों का उत्थान है। प्रदेश को जन-कल्याण व विकास की नई बुलंदियों तक पहुंचाने एवं प्रदेश की आर्थिकी मज़बूत बनाने के लिए सरकार निरन्तर प्रयासरत है।

विकास की राह पर निरन्तर आपके सकारात्मक सहयोग की कामना रहेगी। आपने जनमत देकर हमें प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन का मौक़ा दिया। हम आपके आभारी हैं।

हिमाचल दिवस की आप सभी को पुनः शुभकामनाएं।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने किया भीम डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण

समाज की तरक्की के लिए लोग मिलकर कार्य करें

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के उप मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का शिक्षित करने का सपना तभी साकार होगा जब समाज की तरक्की के लिए सभी लोग मिलकर पूर्ण रूप से सहयोग देकर कार्य करेंगे।

उपमुख्यमंत्री पंचकूला सेक्टर 12 ए के अम्बेडकर भवन में भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर की 132 वीं जयंती पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने भीम डिजिटल लाइब्रेरी जनता को समर्पित की और अपने स्वैच्छिक कोष से 21 लाख रुपए देने की घोषणा की। श्रम एवम रोजगार मंत्री अनूप धानक ने समारोह की अध्यक्षता की और बाबा साहेब की अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अंबेडकर भवन में डिजिटल लाइब्रेरी खोलने और उसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु किताबों की पूर्ति करने और शिक्षा के लिए सॉफ्टवेयर लगवाने में भी हर सम्भव मदद की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा की अलख जगाने के लिए जो डिजिटल लाइब्रेरी का विजन लेकर चले हैं इससे समाज आगे बढ़ेगा और युवाओं का भविष्य उज्जवल और सुखमय होगा। इसके साथ ही वास्तव में बाबा साहब की सोच को भी मूर्त रूप दिया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने जीवन में क्रांति लाने का जो काम किया वह केवल शिक्षा से ही संभव हुआ। बाबा साहब ने शिक्षा को ग्रहण करने

के लिए अनेक कष्ट सहे और तपना पड़ा, तभी वे सामाजिक जीवन में परिवर्तन ला पाए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत रखने के लिए जो बेहतर संविधान दिया है आज उन्हीं की बदौलत 75 वर्ष बाद भी सामाजिक एकता व अखण्डता की सार्थकता उन्ही की प्रेरणा से संभव है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो व्यक्तिजीवन में इमानदारी से शिक्षा ग्रहण करता है वह कभी निष्फल नहीं होता और ज्ञान बांटने से बढ़ता है जेब भरने से नहीं। इसलिए जीवन को सार्थक बनाने के लिए अपना जीवन समाज सेवा में लगाए। वर्तमान में सरकार की ओर से युवाओं को उनके घर के नजदीक ही सुविधाएं देने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकांश युवा बिना मार्गदर्शन के भटक जाते हैं, इसलिए उन्हें बेहतर मार्गदर्शन देकर आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी कार्य को सतत और मोड़राइजेशन रखना है तो उसके लिए सकारात्मक प्रयास करने होंगे। यदि युवाओं को सही समय पर सही मार्गदर्शन मिल जाए तो आज का युवा किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी और कोचिंग सेंटर में निरंतर बेहतर मार्गदर्शक नियुक्त करने को कहा ताकि युवाओं को हर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने में सहायक बन सकें। उन्होंने कहा कि इस लाइब्रेरी में कंप्यूटर की व्यवस्था के अलावा लिफ्ट लगवाने का कार्य भी करवाया जाएगा। इसके अलावा यदि कुछ कार्य रह भी जाएंगे तो हैफेड के सी एस आर फंड से करवाए जायेंगे।

डॉ. इन्द्रजीत सिंह, एचसीएस और जजपा अनुसूचित जाति सेल हरियाणा के प्रधान अशोक शेरवाल ने भी अपने विचार रखें। निदेशक आईसीएस परिमल कुमार ने कोचिंग सेंटर में टीचिंग फैकल्टी उपलब्ध करवाने एवं जेजेपी सचिव रणधीर सिंह ने लैपटॉप देने की घोषणा की। महासभा के प्रधान सुरेश मोरकां ने सभी का आभार जताया। हैफेड के चीफ जनरल मैनेजर आर पी साहनी ने ध्वजारोहण किया और संविधान निर्माता डा. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर कई वरिष्ठ अधिकारी एवम महासभा के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

शहरी क्षेत्र के नागरिक 31 जुलाई 2024 तक प्रोपर्टी टैक्स जमा करवाकर मौजूदा वर्ष के टैक्स में दस प्रतिशत छूट का लाभ उठाएं: डॉ. कमल गुप्ता

भिवानी (ब्यूरो)। प्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने शहरी क्षेत्र के नागरिकों से आह्वान किया है कि वे 31 जुलाई तक गृहकर जमा करवाने वालों को टैक्स में दस प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। ऐसे में नागरिक निर्धारित समयावधि में टैक्स जमा करवाकर मौजूदा वर्ष में अदा किए जानी वाली गृहकर राशि में दस प्रतिशत छूट का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय द्वार प्रदेशभर के सभी शहरों व कस्बों में मॉडल के तौर पर पार्कों, चौराहों व सडक़ों पर रंग-बिरंगी लाईटों व फव्वारों के साथ सौंदर्यकरण का कार्य किया जा रहा है। विकास कार्यों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने वाले बवानीखेड़ा नगर पालिका जेई सुरेश व मंदीप को जार्चशीट करने के निर्देश दिए।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डा. कमल गुप्ता शुक्रवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिलाभर के स्थानीय शहरी निकाय अधिकारियों के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर भिवानी से विधायक घनश्याम सर्राफ, बवानीखेड़ा से विधायक बिशम्बर वाल्मिकी, रोहतक नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खडग़टा, नगर निकाय के मुख्य नगर योजनाकार केके वार्षेण्य और भाजपा जिलाध्यक्ष शंकर धूपड़ भी मौजूद रहे। डॉ. गुप्ता ने अधिकारियों के साथ सभी पुरानी व नई प्रोपर्टी को नई पीआईडी में समावेश करने, प्रोपर्टी आईडी की त्रुटियों को दुरूस्त करने, नगर दर्शन पोर्टल, स्वामित्व योजना, सफाई व्यवस्था और बजट के प्रयोग किए जाने आदि सभी प्रमुख योजनाओं संबंधी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जिसने पीआईडी सिस्टम का लागू किया है, जो कि एक चुनौतिपूर्ण कार्य है।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. गुप्ता ने कहा कि नागरिकों को सेवाओं का लाभ आरटीएस के तहत निर्धारित समयावधि में मिलना चाहिए। प्रोपर्टी आईडी की त्रुटियों को तुरंत प्रभाव से दुरूस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रोपर्टी में मालिक का नाम, मोबाईल नंबर जरूरी होना चाहिए, इनके बिना गृह को नोटिस दिया जाना ही संभव नहीं है। उन्होंने गृहकर वसूली अभियान में तेजी लाने को कहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार 31 दिसंबर 2020 तक की अवधि में 20 साल से शहरी स्थानीय निकाय की दुकानों में काबिज लोगों को स्वामित्व योजना के तहत मालिकाना हक दिया जाना है, ऐसे में लीज या किराए पर बैठे लोगों के विभाग के पास आए आवेदनों पर तुरंत कार्रवाई करें और सभी औपचारिकताएं पूरा करवाकर उनको 31 अप्रैल तक मालिकाना हक दिलाने का काम करें। इस कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न बरतें।डॉ. गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नॉर्म को पूरा करने वाली सभी अवैध कालोनियों को पूरा किया जा रहा है, लेकिन इन कॉलोनियों की गलियां कम से कम तीन मीटर चौड़ी जरूर होनी चाहिए ताकि किसी भी विकट परिस्थिति में फायर ब्रिगेड या एंबूलेंस आदि आसानी से पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भिवानी शहर शामिल की गई सभी कॉलोनियों में जाकर वास्तविक स्थिति का पता लगाएं कि इनमें गलियां कितनी चौड़ी हैं। सरकार का उद्देश्य है कि हर नागरिक के पास रहने के लिए छत हो, उसके बिजली-पानी आदि सभी मूलभूत सुविधाएं मिलें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि लाईसैंसी कॉलोनी, टीपी स्कीम, अर्बन एस्टेट, मार्केटिंग बोर्ड, रि-हैबीलेशन, एचएसवीपी क्षेत्रों में स्थित प्रॉपर्टी डाटा में विकास शुल्क का बकाया नहीं दर्शाया जाना चाहिए।

हरियाणा सरकार बेहतर अंतरराज्यीय बस कनेक्टिविटी के साथ परिवहन सेवाओं को बढ़ाएगी

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पलवल में चल रहे जनसंवाद कार्यक्रम के तीसरे दिन शुक्रवार को हसनपुर गांव में नवनिर्मित बस स्टैंड का औपचारिक उद्घाटन किया | उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही हसनपुर से चंडीगढ़ और मथुरा के लिए बसें शुरू की जाएंगी |

लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 4.25 करोड़ रुपये की लागत से एक एकड़ भूमि पर बने नवनिर्मित बस स्टैंड पर पर्याप्त व्यवस्था की गई है | यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने नए बस स्टैंड के लिए ग्राम पंचायत हसनपुर से 64 लाख रुपये में एक एकड़ जमीन खरीदी | मुख्यमंत्री ने कहा कि हसनपुर बस स्टैंड से पलवल, दिल्ली, चंडीगढ़, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, हरिद्वार, गुरुग्राम आदि स्थानों के लिए जल्द ही बस सेवा शुरू की जाएगी | यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हसनपुर बस स्टैंड पर स्वच्छ पेयजल, शौचालय, यात्रियों के बैठने व अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है |

नहरों व माईनरों पर नियमित रूप से पुलिस गश्त की जाए: नरेश नरवाल

भिवानी (ब्यूरो)। नहरों व माईनरों में नहाने के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जिलाधीश नरेश नरवाल ने पुलिस एवं सिंचाई विभाग को विशेषकर रिहायशी क्षेत्रों के साथ लगने वाली नहरों व माईनरों पर गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधीश ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नहरों व माईनरों में नहानों वालों पर प्रतिबंध लगाया जाए। जिलाधीश श्री नरवाल ने अपने आदशों में कहा है कि नहरों व माईनरों में गहराई अधिक होने के साथ-साथ पानी का बहाव भी तेज होता है। गर्मी के मौसम के चलते विशेषतौर पर आबादी क्षेत्र के साथ लगते माईनर व नहरों में नौजवान युवा नहाने हैं, लेकिन तैराना नहीं आने की वजह से पानी में डूबने जैसी घटनाएं होती हैं, जैसी कि अभी हाल ही में 11 अप्रैल को एक छात्र के डूबने की हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं फिर से कहीं न हों, इसके लिए नहरों व माईनरों पर नियमित रूप से सिंचाई विभाग व पुलिस की गश्त जरूरी है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक व सिंचाई विभाग के लोहारू व यमुना जल सेवाएं मंडल अधीक्षक अभियंता को आदेशों की पालना सुनिश्चित करने को कहा है।

सुरक्षा मानदंड पूरा नहीं करने वाले स्वीमिंग पूल संचालकों पर होगी कार्रवाई: जिलाधीश

भिवानी (ब्यूरो)। जिलाधीश नरेश नरवाल ने आदेश जारी किए हैं कि जिलाभर के सभी स्वीमिंग पूल पर सुरक्षा के मानदंड पूरे होने चाहिए। सुरक्षा मानदंड पूरा नहीं करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधीश श्री नरवाल ने अपने आदेशों में कहा है कि स्वीमिंग पूल पर नागरिक तैरना सीखते हैं, लेकिन स्वीमिंग पूल पर सुरक्षा के सभी मानदंड पूरे होने चाहिए।

ग्राम पंचायत बलधर
विकास खंड व त0 नगरोटा बगवां जिला काँगड़ा (हि.प्र)

निविदा आमंत्रित सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की ग्राम पंचायत बलधर विभिन्न कार्यों हेतु वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए निविदाएं आमंत्रित करती है। आवेदककर्ता फर्म से सामान हेतु सामग्री की आपूर्ति हेतु सील बंद लिफाफे में डाक के माध्यम से ही मान्य होगी। फर्म का GST न0 होना आतिआवशक है। दरें निविदा प्रत्र में भरी गयी दरों में ही शामिल होंगी। कम दर निविदा वाली ही स्वीकृत की जाएगी। निविदा दिनांक 24/04/2023 को पंचायत कार्यलय में पहुँच जानी चाहिए। इसके उपरान्त कोई भी निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएगी। अतः पंचायत की बैठक में दिनांक 25/04/2023 को कार्यालय ग्राम पंचायत बलधर में खोली जाएगी।

सामग्री जैसे बजरी क्रशेर, बोल्डर पत्थर, फाड़ा पत्थर, खाडू पत्थर, शटरिंग, पक्की ईंट, इंटरलॉक टाइल, बोर्ड बनवाई व लिखाई ,पानी की टंकी (स्टील/प्लास्टिक), बेंच (कंक्रीट/स्टील), सीमेंट ढुलाई, पार्क सामग्री।

प्रधान/सचिव
ग्राम पंचायत बलधर

हर्ष, संघर्ष...
प्रगतिशील हिमाचल
75
ऐतिहासिक वर्ष
1948 - 2023

सूचना-सम्पर्क-सेवा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल दिवस

के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को

हार्दिक शुभकामनायें

1.36 लाख की पुरानी पेंशन -
अब हुई बहाल

₹1500 मासिक पेंशन -
बढ़ा 2.31 लाख महिलाओं
का स्वाभिमान

1,40,000 नए रोज़गार -
होंगे युवा सामर्थ्यवान

सुख-आश्रय कोष (₹101 करोड़) -
सुनिश्चित हुई निराश्रितों की देखभाल

हिम गंगा योजना ₹500 करोड़ -
किसानों की बढ़ेगी आमदनी
मिलेंगे उचित दाम

मानदेय बढ़ोतरी से खुश -
पैरा वर्कर्ज़ और मनरेगा कामगार

हर विधानसभा क्षेत्र में खुलेंगे
गुणात्मक शिक्षा के लिए
राजीव गांधी डे-बोर्डिंग संस्थान

सभी मेडिकल कॉलेजों में
रोबोटिक सर्जरी का होगा प्रावधान

ई–टैक्सी खरीद के लिए
50% की दर से उपदान

सभी जिला मुख्यालयों में होगा
हेलीपोर्ट का निर्माण

हरित ऊर्जा में हिमाचल
हो रहा प्रकाशमान

"आलौकिक खूबसूरती और असाधारण वीरता की धरती देवभूमि हिमाचल प्रदेश के "प्रदेश गठन दिवस" पर सभी प्रदेशवासियों को अनंत शुभकामनाएँ।

इस शुभ अवसर पर आइये हम सब मिलकर एक नए दृढ़ इरादे के साथ समृद्ध हिमाचल प्रदेश का सृजन करने में भागीदार बनें।"

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू
मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

सुख की सरकार
हिमाचल सरकार

जारीकर्त्ता: सूचना एवं जन संपर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार
www.himachalpr.gov.in HimachalPradeshGovtIPRDept diprhimachal dprhp

PARTNERS